▪ माघ कृष्णा - 10 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 191 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 05-02-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़कर उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत : योगी आदित्यनाथ

6 देश को तोड़ने की मांग करने वाले कौन?

7 'रूम में टोपी, रोड पर तिलक' की सेक्युलर सियासी सूत्रधार है कांग्रेस : नकवी

फर्स्ट टेक

बिहार के 16 कांग्रेस विधायक हैदराबाद पहुंचे

नई दिल्ली/पटना/हैदराबाद/ भाषा। बिहार में पिछले हफ्ते सत्ता गंवाने वाले महागठबंधन के दूसरे सबसे बड़े घटक दल कांग्रेस के तीन विधायकों को छोड़कर सभी विधायक भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा खरीद–फरोख्त किए जाने की आशंका के बीच रविवार को हैदराबाद पहुंच गए। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के बिहार प्रभारी मोहन प्रकाश से संपर्क किया गया तो उन्होंने न तो इसकी पुष्टि की और न ही इससे इनकार किया। हालांकि, उन्होंने कहा, ''अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि कांग्रेस विधायक टूट जाएंगे, जबकि सच्चाई यह है कि जनता दल (यूनाइटेड) के विधायक पार्टी के राजग में जाने के बाद मतदाताओं के गुस्से के कारण दबाव में हैं।'' प्रकाश ने कहा, उन्हें (जदयू को) अपने विधायकों को एकजुट रखने की चिंता करनी चाहिए।

जर्मनी में यहूदी छात्र की पिटाई, अस्पताल में भर्ती

बर्लिन/एपी। जर्मनी के बर्लिन शहर स्थित एक कॉलेज छात्र ने इजराइल–हमास संघर्ष पर बहस से आक्रोशित होकर शुक्रवार रात अपने एक यहूदी सहपाठी की पिटाई कर दी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया 30 वर्षीय यहूदी छात्र शुक्रवार देर रात एक परिचित के साथ बर्लिन के नजदीक मित्ते गया था, तभी उसकी मुलाकात विश्वविद्यालय के 23 वर्षीय साथी छात्र से हुई। पुलिस ने बताया कि 23 वर्षीय छात्र फलस्तीन समर्थक है जबकि 30 वर्षीय यहूदी छात्र ने इजराइल के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया था और दोनों की इस मुद्दे पर तीखी बहस हुई। पुलिस के मुताबिक, बहस से उग्र हुए 23 वर्षीय छात्र ने 30 वर्षीय यहूदी छात्र के चेहरे पर तब तक घूंसे मारे जब तक कि वह जमीन पर गिर नहीं गया। संदिग्ध ने यहूदी छात्र के जमीन पर गिरने पर लात से भी वार किया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को चेहरे पर फ्रैक्चर आए हैं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है लेकिन वह खतरे से बाहर है।

सूर्यास्त 04-02-2024	सूर्योदय 05-02-2024
6:22 बजे	6:45 बजे

BSE	NSE
72,085.63	21,853.80
(+440.34)	(+156.35)

सोना	चांदी
6,515 रु.	74,174 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सीमाओं को बाधा नहीं मानना चाहिए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अपराध और अपराधी भौगोलिक सीमाओं का सम्मान नहीं करते हैं, इसलिए विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों को किसी भी सीमा को बाधा न मानकर आपराधिक मामलों को सुलझाने के लिए इन सीमाओं को अहम बिंदु के रूप में देखना चाहिए।

शाह ने यहां ''राष्ट्रमंडल कानूनी शिक्षा संघ (सीएलईए)– राष्ट्रमंडल अटॉर्नी और सॉलिसिटर जनरल सम्मेलन'' (सीएएसजीसी) को संबोधित करते हुए कहा कि जब हाल ही में बनाए गए तीन आपराधिक न्याय कानून लागू हो जाएंगे, तो प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर ही लोगों को उच्च न्यायालय के स्तर तक न्याय मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब वाणिज्य और अपराध के मामलों में भौगोलिक सीमाओं का कोई मतलब नहीं रह गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि न्याय मिलने की प्रक्रिया के लिए सीमा पार चुनौतियां मौजूद हैं, लेकिन वाणिज्य, संचार, व्यापार तथा अपराध के लिए कोई सीमा नहीं है। उन्होंने कहा, अपराध और अपराधी भौगोलिक सीमाओं का सम्मान नहीं करते हैं। इसलिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भौगोलिक सीमाओं को बाधा नहीं मानना चाहिए। भविष्य में आपराधिक मामलों के समाधान के लिए भौगोलिक सीमाएं एक अहम बिंदु होनी चाहिए।

शाह ने कहा कि सरकारों को इस दिशा में काम करने की जरूरत है, क्योंकि साइबर धोखाधड़ी के छोटे मामलों से लेकर वैश्विक संगठित अपराध तक, स्थानीय विवाद से लेकर सीमा पार विवाद तक, स्थानीय अपराध से लेकर आतंकवाद तक, सभी में कुछ न कुछ संबंध हैं।

उन्होंने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा कि तीन नए कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन के बाद भारत में दुनिया की सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली होगी।

'एकजुट संगठनात्मक रणनीति लोकसभा चुनाव में जीत की कुंजी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को हिमाचल प्रदेश की सभी चार लोकसभा सीट पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट संगठनात्मक रणनीति के महत्व को रेखांकित किया।

यहां राज्य स्तरीय एक संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने अप्रैल–मई में होने वाले आम चुनाव से पहले विभिन्न अभियानों की सावधानीपूर्वक योजना बनाने और इसके कार्यान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया।

यहां जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, नए मतदाताओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से जुड़ने के अभियानों पर विस्तृत दिशानिर्देश दिए। उन्होंने रेखांकित किया कि राज्य की सभी चार लोकसभा सीट पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट संगठनात्मक रणनीति महत्वपूर्ण है। भाजपा की हिमाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि बैठक में 'गांव चलो' जनसंपर्क कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई।

आजादी के बाद सत्ता में रहे लोगों को अपनी ही संस्कृति पर आती थी शर्म : मोदी

मोदी ने असम में 11,600 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को दावा किया कि आजादी के बाद सत्ता में रहे लोग पूजा स्थलों के महत्व को नहीं समझ सके और उन्होंने राजनीतिक वजहों से अपनी ही संस्कृति पर शर्मिंदा होने की प्रवृत्ति स्थापित की। गुवाहाटी में 11,600 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कोई भी देश अपना इतिहास मिटाकर प्रगति नहीं कर सकता।

केंद्र सरकार द्वारा 498 करोड़ रुपए की लागत से बनाए जा रहे कामाख्या मंदिर गलियारा परियोजना पर उन्होंने कहा कि इसके तैयार हो जाने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस 'शक्ति पीठ' में आएंगे और इससे पूरे पूर्वोत्तर के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

मोदी ने कहा, यह पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बन जाएगा। हजारों वर्षों की चुनौतियों के बावजूद ये हमारी संस्कृति और हमने खुद को कैसे संरक्षित रखा है, इस बात के प्रतीक हैं। हमारी मजबूत संस्कृति का हिस्सा रहे इनमें से कई प्रतीक आजकल खंडहर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि 'कामाख्या दिव्यलोक परियोजना' इस शक्ति पीठ की तीर्थयात्रा के अनुभव को बिल्कुल पलट देगी।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि आजादी के बाद लंबे समय तक सरकार चलाने वाले लोग ऐसे धर्म स्थलों का महत्व नहीं समझ सके और उनकी उपेक्षा की। उन्होंने कहा, राजनीतिक लाभ के कारण उन्होंने अपनी ही संस्कृति और इतिहास पर शर्मिंदा होने की प्रवृत्ति स्थापित की। कोई भी देश अपने इतिहास को भुलाकर तथा मिटाकर और अपनी जड़ों को काटकर विकसित नहीं हो सकता है।

मोदी ने कहा, हालांकि, पिछले 10 साल में स्थिति बदली है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत 'डबल–इंजन' सरकार की नीति विरासत स्थलों के विकास और संरक्षण की है। उन्होंने असम को एक उदाहरण बताया और कहा कि यह ऐसा स्थान है, जहां धर्म, अध्यात्मिकता और इतिहास आधुनिकता के साथ जुड़े हैं।

मोदी ने कहा कि जिन परियोजनाओं की उन्होंने शुरुआत की, उससे न केवल पूर्वोत्तर में, बल्कि बाकी के दक्षिण एशिया में संपर्क सुविधा मजबूत होगी।

आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले दूतावास कर्मी को गिरफ्तार किया

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और उन्हें रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों की सामरिक गतिविधियों के संबंध में महत्वपूर्ण गोपनीय जानकारी मुहैया कराने के आरोप में मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास में कार्यरत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उप्र के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार की ओर से रविवार को यहां जारी एक बयान में कहा गया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले एजेंट भारतीय दूतावास मास्को (रूस) में नियुक्त कर्मचारी सतेन्द्र सिवाल को गिरफ्तार किया गया है। हापुड़ जिले के देहात थाना क्षेत्र के गांव शाह महीउद्दीनपुर निवासी सतेंद्र सिवाल विदेश मंत्रालय में कार्यरत है और वर्तमान में रूस के मॉस्को में भारतीय दूतावास में तैनात है।

कठिन चुनौतियों से निपटने की युवा पीढ़ी की क्षमता से विस्मित हूं : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि वह मौके के अनुरूप युवा पीढ़ी की आगे बढ़ने और वर्तमान समय की कठिन चुनौतियों से निपटने की क्षमता से विस्मित हैं। उन्होंने युवाओं को असफलताओं से सीखने की भी सलाह दी। प्रधान न्यायाधीश ने युवाओं से अयथार्थवादी उम्मीदों से प्रभावित न होने की अपील की और इस बात पर जोर दिया कि जीवन एक ''मैराथन है न कि 100 मीटर की दौड़।''

'महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा' के 72वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि इस वर्ष विश्वविद्यालय ने 346 स्वर्ण पदकों में से 336 महिलाओं को प्रदान किए, जो ''वास्तव में हमारे राष्ट्र में बदलते समय का संकेत है।''

मौजूदा दौर को ''हमारे इतिहास का अनोखा समय'' बताते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि प्रौद्योगिकी की वजह से लोग पहले से कहीं अधिक जुड़े हुए हैं, लेकिन इससे उनके सामने भय और चिंताएं भी पैदा हुई हैं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''हम हर दिन नए और अनूठे व्यवसायों को उभरते हुए देखते हैं, लोग अपनी खुद की पेशेवर यात्रा तय करते हैं जो पारंपरिक मानदंडों का अनुपालन नहीं करता है। स्नातक होने का यह एक रोमांचक समय है। लेकिन मैं जानता हूं कि ये परिस्थितियां कुछ अनिश्चितताओं और भ्रम को भी जन्म देती हैं।'' उन्होंने छात्रों से कहा, ''आप भाग्यशाली हैं कि ऐसे समय में जी रहे हैं जब आप पहले से कहीं अधिक विचारों के संपर्क में हैं। आप एक अनोखी पीढ़ी हैं जो पहले की पीढ़ियों की तुलना में हमारे समय की चुनौतियों के बारे में ज्यादा जागरूक हैं।'' उन्होंने कहा कि वह ''मौके के हिसाब से युवा पीढ़ी की आगे बढ़ने और हमारे समय की भारी चुनौतियों का सामना करने'' की क्षमता से अचंभित हैं और उनसे आग्रह किया कि वे आगे बढ़ें, अयथार्थवादी उम्मीदों से प्रभावित न हों और अपनी नाकामी से सीखें।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''हमारी औपचारिक शिक्षा यह नहीं बताती है कि विफलता हमारे विकास के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। हमारी शिक्षा प्रणाली हमारे लिए असफलता से घृणा करने और उसका भय पैदा करने के लिए बनाई गई है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जमानती खेल

कौन जमानत दे किसकी,
सारे रिमांड पर चढ़े हुए।
कब्रों के मुर्दे जिन्न हुए,
जो थे चित्रों में मढ़े हुए।
ईडी हो या सीबीआई,
सबके सवाल हैं गढ़े हुए।
वे स्वयं अँगूठा दिखा रहे,
जो कानूनों को पढ़े हुए।।

इजराइल ने हिजबुल्लाह को दी चेतावनी

अगर उकसाया तो तुरंत हमला करने के लिए तैयार हैं इजराइल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राफाह/एपी। इजराइल की सेना ने पड़ोसी देश लेबनान में हिजबुल्लाह को अब तक की विस्तृत चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसे उकसाया गया तो वह ''तुरंत हमला करने के लिए तैयार'' है।

इसके साथ ही इजराइली सेना ने गाजा में चार महीने से चल रहे युद्ध के दौरान उत्तरी सीमा पर हिजबुल्लाह की गतिविधियों का जिक्र किया और इस आतंकवादी समूह के खिलाफ सीरिया में कई हवाई हमले करने की बात भी स्वीकार की।

इजराइली सेना के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा, युद्ध हमारी पहली प्राथमिकता नहीं है लेकिन हम निश्चित रूप से तैयार हैं। जहां भी हिजबुल्ला होगा तो हम कार्रवाई करते रहेंगे, पश्चिम एशिया में जहां भी जरूरत होगी हम कार्रवाई करते रहेंगे। जो लेबनान के लिए सही है, वही सीरिया के लिए भी सही है और वही ज्यादातर अन्य दूरस्थ स्थानों के लिए भी सही है। ये टिप्पणियां रक्षा मंत्री की उस चेतावनी के बाद आयी हैं कि गाजा में चरमपंथी समूह हमास के खिलाफ संघर्ष विराम का मतलब यह नहीं है कि इजराइल जरूरत पड़ने पर हिजबुल्लाह पर हमला नहीं करेगा। इस क्षेत्र में ईरान समर्थित समूहों के साथ व्यापक युद्ध की चिंताओं के बीच इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम को बढ़ाने के प्रयास जारी हैं।

हमास की 24 में से 17 बटालियनों को किया नष्ट : नेतन्याहू

तेल अवीव/एजेन्सी/स्पूतनिक। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने गाजा पट्टी में अपने अभियान के दौरान 24 हमास बटालियनों में से 17 को समाप्त कर दिया है, जिनमें से ज्यादातर एन्क्लेव के दक्षिण में सक्रिय हैं। नेतन्याहू ने एक कैबिनेट बैठक में कहा, आज तक हमने 24 बटालियनों में से 17 को खत्म कर दिया है। शेष बटालियनों में से अधिकांश दक्षिणी गाजा पट्टी और (शहर) राफा में हैं और हम उन तक भी पहुंचेंगे। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए, इजरायल को शेष हमास बलों की 'सफाई' पूरी करने और आंदोलन के भूमिगत बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट करने की जरूरत है। नेतन्याहू ने कहा, हमारी सेनाएं सभी स्थानों पर व्यस्त हैं और इसके लिए और भी अधिक समय की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल किसी भी कीमत पर बंधकों की रिहाई के समझौते पर सहमत नहीं होगा। साथ ही उन्होंने बंधकों के बदले में फिलिस्तीनी 'आतंकवादियों' को जेलों से मुक्त करने की संभावना को साफ खारिज कर दिया।

हमास ने इजरायल से की तीन हजार फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई की मांग

गाजा/एजेन्सी। हमास ने गाजा पट्टी में संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपनी अप्रत्यक्ष वार्ता के दौरान इजरायल से तीन हजार फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने की मांग की है। अल अरबिया समाचार चैनल ने रविवार को सूत्रों के हवाले से बताया कि हमास चाहता है कि तीन चरण के संघर्ष विराम में चौथे चरण के रूप में फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई भी शामिल हो।

कतर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल–अंसारी ने शुक्रवार को कहा कि इजरायल ने नवीनतम संघर्ष विराम प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रारंभिक प्रतिक्रिया दी है, जो छह सप्ताह की लड़ाई को रोकने के साथ शुरू होगी और हमास द्वारा रखे गए दर्जनों बंधकों की रिहाई भी शामिल होगी। जनवरी के अंत में पेरिस में इजरायल, अमेरिका, मिस्र और कतर द्वारा संघर्ष विराम प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की गई थी। हमास ने कहा कि उसे एक मसौदा प्राप्त हुआ है और वह इसकी समीक्षा कर रहा है।

मुकेश अंबानी ब्रांड संरक्षक सूचकांक 2024 में शीर्ष भारतीय, दुनिया में दूसरा स्थान

नई दिल्ली/भाषा। ब्रांड फाइनेंस द्वारा तैयार किए गए ब्रांड संरक्षण सूचकांक 2024 में मुकेश अंबानी शीर्ष भारतीय के रूप में शामिल हुए हैं। इस सूचकांक में उन्हें विश्व स्तर पर दूसरा स्थान मिला है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ने माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला और गूगल के सुंदर पिचाई को पीछे छोड़कर वैश्विक स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया। सूचकांक में उनसे आगे सिर्फ टेनसेंट के हुआतेंग मा हैं। प्रशासन ब्रांड फाइनेंस के अनुसार ब्रांड संरक्षक सूचकांक उन सीईओ की पहचान करता है, जो सभी हितधारकों – कर्मचारियों, निवेशकों और व्यापक समाज की जरूरतों को संतुलित करके, स्थायी तरीके से व्यावसायिक मूल्य का निर्माण कर रहे हैं। इस सूचकांक में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को पांचवां स्थान मिला है। इससे पहले 2023 में उनका आठवां स्थान था। इस साल के सूचकांक में महिंद्रा एंड महिंद्रा के अनीश शाह छठे स्थान पर और इंफोसिस के सलिल पारेख 16वें स्थान पर हैं। अंबानी 2023 के सूचकांक में भी वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर थे। इस साल उन्हें 'विविधीकृत' समूहों की श्रेणी में पहला स्थान दिया गया।

श्रीकुमारन थम्पी ने अपने 'अपमान' को लेकर केरल साहित्य अकादमी पर निशाना साधा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। गीतकार-संगीतकार श्रीकुमारन थम्पी ने राज्य के आधिकारिक गीत अपनाए जाने वाले 'केरल गानम' के लेखन के संबंध में उनका अपमान करने के लिए रविवार को केरल साहित्य अकादमी पर निशाना साधा। थम्पी ने आरोप लगाया कि अकादमी ने उनपर गीत लिखने और उसे संगीतबद्ध करने का दबाव डाला, जिसके बाद उन्होंने गीत लिखा और अकादमी के सुझावों के आधार पर सभी बदलाव किए, फिर भी उनके गीत को नजरअंदाज कर दिया गया। थम्पी ने यहां पत्रकारों से कहा कि अकादमी ने 'केरल गानम' के बोल आमंत्रित करते हुए विज्ञापन तक प्रकाशित कर डाले और उन्हें यह बताने की जहमत तक नहीं उठाई कि उनका गीत खारिज कर दिया गया है। थम्पी ने अपना जिक्र करते हुए कहा, वे अब कह रहे हैं कि गीतकार हरिनारायण द्वारा प्रस्तुत एक गीत चुन लिया गया है। इसके जरिए वे यह घोषणा कर रहे हैं कि वह श्रीकुमारन थम्पी से बेहतर गीतकार हैं। पहले गीत लिखने का दबाव डालना और फिर उसे खारिज कर देना मेरा अपमान है।

अकादमी के अध्यक्ष के. सच्चिदानंदन पर निशाना साधते हुए थम्पी ने कहा कि जब उन्होंने उन्हें संशोधित गीत भेजे तो उन्होंने एक शब्द में जवाब दिया – धन्यवाद। थम्पी ने कहा, स्वाभाविक रूप से, मुझे लगा कि मेरा गीत स्वीकार कर लिया गया है। अभी तक किसी ने मुझे सूचित नहीं किया है कि इसे अस्वीकार कर दिया गया है। अकादमी के अध्यक्ष सच्चिदानंदन ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विशेषज्ञ जांच समिति में किसी को भी थम्पी द्वारा प्रस्तुत गीत पसंद नहीं आया, इसलिए इसे मंजूरी नहीं दी जा सकी। हमें कई आवेदन प्राप्त हुए हैं और संगीतकार हरिनारायण द्वारा प्रस्तुत गीत बहुत अच्छा लगा। एक कवि के रूप में, मुझे भी लगता है कि यह अच्छा है।

आडवाणी में प्रधानमंत्री बनने की क्षमता थी, लेकिन उन्हें दरकिनार कर दिया गया: राउत

मुंबई/भाषा। पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से नवाजे जाने की घोषणा किए जाने के बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता एवं सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता में प्रधानमंत्री बनने की काबिलियत थी लेकिन उन्हें दरकिनार कर दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को घोषणा की थी कि आडवाणी को 'भारत रत्न' से नवाजा जाएगा और उन्होंने इसे अपने लिए ''एक अत्यंत भावुक क्षण'' बताया था। आडवाणी (96) यह सम्मान पाने वाले 50वें व्यक्ति हैं। राउत ने कहा कि भाजपा आज जो कुछ भी है, वह आडवाणी की 'रथ यात्रा' की वजह से है। उन्होंने कहा, उन्हें (आडवाणी को) देश का राष्ट्रपति नियुक्त किया जा सकता था लेकिन भाजपा ने ऐसा नहीं किया। उनमें प्रधानमंत्री बनने की क्षमता थी लेकिन उन्हें दरकिनार कर दिया गया। आडवाणी को उसी वर्ष भारत रत्न दिया जाएगा, जब राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। आडवाणी ने राम मंदिर के मुद्दे को उठाने के लिए 1990 में 'राम रथ यात्रा' की थी। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा भाजपा के लिए एक अत्यंत भावनात्मक मुद्दे के ''विजयी समापन'' का प्रतीक है, जिसे 1990 में आडवाणी की 'राम रथ यात्रा' के माध्यम से जनता में लोकप्रियता मिली और हिंदुत्वादी पार्टी भाजपा के लगातार आगे बढ़ने का रास्ता खुला।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
PURVA BLUE BELLE
Adjacent to Magadi Road Metro Station
(Purple lane) Rajajinagar
3 Bedroom Jodi units
5 Bedroom + Servant room with all Luxurious Amenities.
Direct metro from here to ITPL (white field) / KR PURAM/ BYYAPPANAHALLI .
Very good Convenience
those who are working above areas.
Only few units left for Sale.
Contact Owner: 9844027560

विपश्यना की शिक्षाएं आधुनिक जीवन में तनाव और परेशानी से निपटने में मदद कर सकती हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विपश्यना प्राचीन भारत का एक अनुपम उपहार होने के साथ ही एक आधुनिक विज्ञान भी है, जिसके जरिये युवा और बुजुर्ग लोगों को जीवन के तनाव और परेशानी से निपटने में मदद मिल सकती है। विपश्यना गुरु एस एन गोयनका के जन्म शताब्दी समारोह पर अपने डिजिटल संबोधन में मोदी ने कहा कि ध्यान और विपश्यना को कभी त्याग के माध्यम के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब यह व्यावहारिक जीवन में व्यक्तित्व विकास का माध्यम बन गया है।

मोदी ने कहा, वर्तमान समय में युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में तनाव और परेशानी आम है और विपश्यना की शिक्षाएं उनकी समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि एस एन गोयनका 'एक जीवन एक मिशन' के आदर्श उदाहरण थे। मोदी ने कहा कि उनकी शिक्षाएं और समाज कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एक प्रेरणा स्रोत है, क्योंकि देश विकसित भारत के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भगवान बुद्ध से प्रेरित होकर, गुरुजी कहते थे कि जब लोग एक साथ ध्यान करते हैं, तो परिणाम बहुत प्रभावी होता है। एकता की ऐसी शक्ति विकसित भारत का महान स्तंभ है। गोयनका के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दिवंगत विपश्यना शिक्षक शांत और निर्मल गुणों से युक्त थे। मोदी ने कहा, उनका एकमात्र मिशन विपश्यना और अर्जित ज्ञान का सभी तक प्रसार करना था। उनका योगदान मानव जाति के प्रति था। उन्होंने कहा कि विपश्यना प्राचीन भारत का एक अनुपम उपहार और विरासत है, लेकिन इसे भुला दिया गया था। उन्होंने कहा कि विपश्यना आत्म-अवलोकन से आत्म-परिवर्तन तक की यात्रा है और आज सामने आने वाली सभी चुनौतियों का समाधान है। मोदी ने कहा कि योग को दुनिया भर में स्वीकार किया गया है और 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' अब दुनिया भर में जीवन का हिस्सा है। उन्होंने कहा, हम सोचते थे कि ध्यान और विपश्यना वैराग्य का माध्यम है और इसे व्यावहारिक जीवन में नहीं लाया जाना चाहिए, लेकिन अब यह व्यक्तित्व विकास का माध्यम है। मोदी ने कहा कि विपश्यना प्राचीन भारत की विरासत होने के अलावा एक आधुनिक विज्ञान भी है, जिसे आने वाली पीढ़ियों को प्रदान करने की जरूरत है। गोयनका को प्राचीन विपश्यना ध्यान तकनीक को लोकप्रिय बनाने के लिए जाना जाता है, जिसका उद्देश्य मानसिक अशुद्धियों का उन्मूलन और पूर्ण मुक्ति की परिणामी उच्चतम खुशी है।

सीबीआई ने एयर इंडिया के पूर्व सीएमडी, आईबीएम, एसएपी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया

नई दिल्ली/भाषा। सीबीआई ने 2011 में एयर इंडिया के 225 करोड़ रुपए में सॉफ्टवेयर खरीदने के मामले में कथित अनियमितताओं के संबंध में एयर इंडिया के तत्कालीन सीएमडी, एसएपी इंडिया और आईबीएम के खिलाफ रविवार को आरोप पत्र दायर किया। मामले की जानकारी रखने वाले जांच एजेंसी के लोगों ने बताया कि सीबीआई ने केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की सिफारिश पर मामला दर्ज किया है। सीवीसी की जांच में पहली नजर में पाया गया है कि सॉफ्टवेयर की खरीद में प्रक्रियागत अनियमितताएं हैं। उन्होंने कहा कि लगभग छह साल की जांच के बाद सीबीआई ने एयर इंडिया के पूर्व सीएमडी अरविंद जाधव, आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एसएपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और छह अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) और भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप पत्र दायर किया है। सीवीसी ने सीबीआई को लिखे पत्र में कहा कि एयर इंडिया के मुख्य सतर्कता अधिकारी की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कंपनी ने उचित निविदा प्रक्रिया का पालन किए बिना एसएपी एजी से एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सॉफ्टवेयर प्रणाली खरीदी थी।

भारत में कंपनियों के मौजूदा कराधान ढांचा काफी उचित : राजस्व सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कंपनियों के लिए 22 प्रतिशत के साथ कराधान ढांचा 'काफी उपयुक्त' है। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने यह बात कही है। उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि भारत जैसे आकार वाली अर्थव्यवस्था की दृष्टि से देखा जाए यह कराधान उचित नजर आता है। यहीं वजह है कि नई विनिर्माण इकाइयों के लिए रियायती कर व्यवस्था जो चार साल के लिए लागू की गई थी, उसे मार्च, 2024 से आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

मल्होत्रा ने कहा कि अंतरिम बजट 2024-25 कराधान व्यवस्था में निरंतरता प्रदान करता है और पिछले वर्षों में करदाताओं को दिए गए लाभ व्यक्तिगत आयकर में भारी उछाल के रूप में नतीजे दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, करदाता सेवाओं पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। यह रुख आगे

भी जारी रहेगा। इसके तहत इन्हें सुसंगत बनाना, सरलीकरण और विश्वास आधारित कराधान के साथ कम जांच और प्रौद्योगिकी जैसी चीजों पर ध्यान दिया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि करदाता सेवाओं में सुधार जारी रहेगा और इससे हमें अनुपालन को बेहतर करने और कर संग्रह दक्षता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

यह पूछे जाने पर कि कंपनियों (कॉरपोरेट्स) के लिए रियायती कर व्यवस्था को 31 मार्च, 2024 से आगे क्यों नहीं बढ़ाया गया, मल्होत्रा ने कहा कि यह योजना 2019 में शुरू की गई थी और कंपनियों को रियायती 15 प्रतिशत की कर दर का लाभ उठाने के लिए नई इकाइयां स्थापित करने को लंबा समय दिया गया था। उन्होंने कहा, कंपनियों को चार साल का लंबा समय दिया गया था। यह वह समय है जब एक बड़ी कंपनी ने अवधारणा, योजना बनाने, धन जुटाने से लेकर जमीन पर काम किया। कोविड महामारी की वजह से इसे एक और साल के लिए 31 मार्च, 2024 तक बढ़ाया गया। मल्होत्रा ने कहा, हमारे देश में कंपनियों के लिए मौजूदा कराधान की दर 22 प्रतिशत है। हमारे आकार की अर्थव्यवस्था को देखते हुए यह काफी उचित है। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हमने तय किया कि इसकी तारीख आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं है। सरकार ने 2019 में घोषणा की थी कि एक अक्टूबर, 2019 को या उसके बाद विनिर्माण में नया निवेश करने वाली किसी भी नई घरेलू कंपनी को 15 प्रतिशत की दर से आयकर का भुगतान करने का विकल्प होगा। इसके लिए शर्त यह थी कि उन्हें अपना उत्पादन 31 अक्टूबर, 2023 से पहले शुरू करना होगा।

विशेषज्ञों की राय, नीतिगत दर में बदलाव नहीं करेगा रिजर्व बैंक

मुंबई/भाषा। अंतरिम बजट के ठीक बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अल्पकालिक ऋण दर (रेपो दर) पर यथास्थिति जारी रखने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्रीय बैंक इस सप्ताह अपनी आगामी द्विमासिक मौद्रिक नीति में नीतिगत दरों में कोई बदलाव शायद ही करे, क्योंकि खुदरा मुद्रास्फीति अब भी संतोषजनक दायरे के ऊपरी स्तर के करीब है।

रिजर्व बैंक ने लगभग एक साल से अल्पकालिक ऋण दर या रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। इसे आखिरी बार फरवरी 2023 में 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया था। खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई, 2023 में 7.44 प्रतिशत के उच्चस्तर पर थी और उसके बाद इसमें गिरावट आई है। हालांकि, यह अब भी अधिक ही है। खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर, 2023 में 5.69 प्रतिशत थी। सरकार ने रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत के दायरे में रखने की जिम्मेदारी सौंपी है। आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक छह फरवरी को शुरू होगी। गवर्नर शक्तिकांत दास आठ फरवरी को समिति के फैसले की घोषणा करेंगे। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने अनुमान जताया कि एमपीसी दर और रुख, दोनों में यथास्थिति बनाए रखेगी।

कांग्रेस के पूर्व विधायक चिराग पटेल भाजपा में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस के पूर्व विधायक चिराग पटेल रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गुजरात इकाई के प्रमुख सी आर पाटिल की उपस्थिति में राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए।

आणंद जिले की खंभात सीट से पहली बार विधायक बने पटेल ने कांग्रेस नेतृत्व की कार्यशैली से निराशा का हवाला देते हुए और पार्टी की प्रदेश इकाई में गुटबाजी का आरोप लगाते हुए 14 दिसंबर, 2023 को राज्य विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

दिसंबर 2022 के राज्य विधानसभा चुनावों में पटेल ने भारतीय जनता पार्टी के मयूर रावल को 4,000 के मामूली वोटों के अंतर से हराया था।

रविवार को खंभात में आयोजित एक कार्यक्रम में पटेल बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

पाटिल ने अपने भाषण में, संकेत दिया कि खंभात सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पटेल भाजपा के उम्मीदवार हो सकते हैं। पटेल के इस्तीफा देने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना जरूरी हो गया है।

इससे पहले दिन में, बोरसद विधानसभा क्षेत्र के सरपंचों और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं सहित लगभग 2,500 कांग्रेस कार्यकर्ता बोरसद, आनंद जिले में पाटिल की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए।

कश्मीर में बर्फबारी से सड़क, हवाई यातायात प्रभावित, पर्वतीय इलाकों में हिमस्खलन की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर घाटी में बर्फबारी के कारण रविवार को जनजीवन प्रभावित हुआ और श्रीनगर हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कश्मीर के मैदानी इलाकों में मध्यम बर्फबारी हुई, जबकि ऊंचाई वाले स्थानों पर भारी बर्फबारी हुई। उन्होंने बताया कि अधिकारी सड़कों से बर्फ हटा रहे हैं ताकि वाहनों की आवाजाही संभव हो सके। लेकिन सड़कों पर फिसलन होने के कारण यातायात धीमा हो गया है।

बर्फबारी के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे पर दिन भर उड़ानों के परिचालन को रद्द करना पड़ा। अधिकारियों ने कश्मीर के पर्वतीय इलाकों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की है और स्थानीय निवासियों से अगले 24 घंटों के लिए अनावश्यक आवाजाही से बचने का आग्रह किया है। बर्फबारी के कारण न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई है लेकिन घाटी के अधिकांश स्थानों पर दिन के तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, मंगलवार से कश्मीर में मौसम में सुधार होने की उम्मीद है। दक्षिण कश्मीर का काजीगुंड शहर शनिवार को सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद कोकेरनाग में 3.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

उत्तरी कश्मीर में गुलमर्ग स्कीइंग रिजॉर्ट में पारा पिछले 72 घंटों से हिमांक बिंदु से कई डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है। रविवार को न्यूनतम तापमान शून्य से सात डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

भाजपा केरल की द्विध्रुवीय राजनीति को खत्म करेगी, लोग जानते हैं कि मोदी सत्ता बरकरार रखेंगे : जावड़ेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर ने दावा किया है कि उनकी पार्टी 2019 के चुनावों के विपरीत आगामी लोकसभा चुनावों में कम से कम पांच सीटें जीतकर केरल की द्विध्रुवीय राजनीति को समाप्त कर देगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य के लोगों को एहसास हो गया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते।

केरल के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी जावड़ेकर ने एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, अगर 2019 में आप हिंदू, ईसाई, मुस्लिम..किसी भी केरलवासी से पूछते, तो उन्होंने आपको बताया होगा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। उनका अपना विमर्श और विश्वास था। अब केरल में हिंदू,

मुस्लिम, ईसाई, किसी से भी पूछें; वह आपको बताएगा कि प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार वापस आ रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ईसाइयों तक उनकी पार्टी की ठोस पहुंच के परिणामस्वरूप उनका एक बड़ा वर्ग अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनावों में इसके लिए मतदान करेगा। यह पूछे जाने पर कि 2019 से भाजपा के लिए चीजें कैसे अलग हैं, जब उसके गठबंधन को लगभग 15 प्रतिशत वोट मिले और कोई सीट नहीं मिली, जावड़ेकर ने कहा कि हर किसी को अब एहसास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सत्ता बरकरार रखेंगे और उनकी सरकार का काम राज्य में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि लोग यह भी जानते हैं कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। जावड़ेकर ने कहा कि मतदाताओं को एहसास है कि उन्होंने 2019 में कांग्रेस को वोट दिया था, लेकिन देश भर में हर जगह पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने 2019 में केरल की 20 लोकसभा सीटों में से 19 सीटों पर जीत हासिल की थी। वायनाड से चुनाव लड़ने के गांधी के फैसले से गठबंधन को केरल में फायदा हुआ था। हालांकि, गांधी उत्तर प्रदेश में अमेठी से हार गए थे।

भाजपा नेता ने कहा कि यूडीएफ और राज्य में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के आसपास केंद्रित यह द्विध्रुवीय राजनीति इस बार खत्म हो जाएगी और भाजपा इस बार कम से कम पांच सीटें जीतेगी।

अयोध्या में राम मंदिर, मस्जिद से धर्मनिरपेक्षता मजबूत होने के बयान को लेकर आईयूएमएल नेता की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की केरल इकाई के अध्यक्ष पी. सैय्यद सादिक अली शिहाब थंगल राम मंदिर के बारे में अपने बयान को लेकर रविवार को विवादों में घिर गए। थंगल ने हाल में कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का विरोध करने की कोई जरूरत नहीं है और नया मंदिर तथा प्रस्तावित मस्जिद, दोनों ही देश में धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करेंगे।

आईयूएमएल केरल में विपक्षी दल कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) का एक प्रमुख सहयोगी और मुस्लिम समुदाय के बीच अच्छा-खासा प्रभाव रखने वाला राजनीतिक दल है। थंगल ने यह बयान 24 जनवरी को यहां पास में मंजेरी में एक कार्यक्रम के दौरान दिया था, जिसका एक वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के गठबंधन सहयोगी इंडियन नेशनल लीग (आईएनएल) ने आईयूएमएल नेता पर

निशाना साधा है, वहीं कांग्रेस और आईयूएमएल ने थंगल का बचाव करते हुए कहा कि वह नफरत और समाज को बांटने के प्रयासों से संबंधित अभियान को रोकने की कोशिश कर रहे थे।

मंजेरी में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, थंगल ने कहा था कि राम मंदिर एक वास्तविकता है और देश की बहुसंख्यक आबादी उसमें श्रद्धा रखती है। थंगल ने वीडियो में कहा, हमें इसका विरोध करने की कोई जरूरत नहीं है। मंदिर, अदालत के आदेश के आधार पर बना और बाबरी मस्जिद का निर्माण होने वाला है। ये दोनों अब भारत का हिस्सा हैं। राम मंदिर और प्रस्तावित बाबरी मस्जिद हमारे देश की धर्मनिरपेक्षता को मजबूत बनाने के दो सबसे अच्छे उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि इसे (बाबरी मस्जिद को) कारसेवकों ने नष्ट कर दिया था और हमने उस समय इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय मुसलमानों ने इस मामले में परिपक्वता दिखाई। इंडियन नेशनल लीग (आईएनएल) के केरल राज्य सचिवालय के सदस्य एन. के. अब्दुल अजीज ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि राजनीतिक नेता इस तथ्य से अनभिज्ञ नहीं हैं कि महात्मा गांधी का 'राम राज्य' आरएसएस के 'राम राज्य' से अलग है।

भाजपा विधायक गायकवाड के खिलाफ एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक गणपत गायकवाड पर एक ग्रामीण की शिकायत पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम) अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को दी। गायकवाड पर शिवसेना के एक नेता को ठाणे जिले के उल्हासनगर में एक पुलिस थाने के भीतर गोली मारकर घायल करने का आरोप है। गायकवाड ने शुक्रवार देर रात हिल लाइन पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक के कमरे के अंदर कल्याण के शिवसेना नेता महेश गायकवाड को छह गोलियां मारी थीं और उनके सहयोगी राहुल पाटिल को भी घायल कर दिया था। इस मामले में कल्याण पूर्व के तीन बार के विधायक गायकवाड पर हत्या के प्रयास और अन्य अपराधों का आरोप लगाया गया है। हिल लाइन पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, शनिवार को द्वारली गांव की एक निवासी की शिकायत पर, गणपत गायकवाड और सात अन्य पर भादंसं और एससी/एसटी (अत्याचार रोकथाम) अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप लगाया गया है।

केंद्र से कर्नाटक को सूखा राहत दिलाने के लिए भाजपा ने कुछ नहीं किया : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर केंद्र से कर्नाटक को सूखा राहत दिलाने के लिए कुछ नहीं करने का रविवार को आरोप लगाया। साथ ही कर्नाटक में गारंटी योजनाएं लागू करने और सूखा प्रभावित लोगों को राहत मुहैया कराने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करने के बावजूद राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए शिवकुमार ने भाजपा पर पलटवार किया।

उन्होंने कर अंतरण और अनुदान सहायता के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा कर्नाटक के साथ अन्याय' के खिलाफ आने वाले दिनों में दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) नेताओं को आमंत्रित भी किया। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, मनमोहन सिंह सरकार के सत्ता से हटने के 10 साल बीत चुके हैं, उन्हें (भाजपा को) समझ हो जानी चाहिए थी। बिना ज्ञान या शिक्षा के लोगों का होना ठीक है, लेकिन लोगों को व्यावहारिक होना चाहिए। लोगों ने आपको देश की सत्ता दी, आपके पास डबल इंजन' सरकार (केंद्र और राज्य, दोनों में भाजपा सरकार) थी, लेकिन सवाल यह है कि आपने क्या किया।

वह 2004 और 2014 के बीच जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सत्ता में था, तब सूखे और विकास कार्यों के लिए केंद्र सरकार से कर्नाटक को कितना मिला, इस पर रिकॉर्ड जारी करने की विपक्षी भाजपा की मांग को लेकर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक के कुल 28 में से 27 सांसद (एक निर्दलीय और एक जद (एस)) होने के बावजूद भाजपा अपनी पार्टी नीत केंद्र सरकार के साथ एक बैठक करके राज्य को सूखा राहत जारी नहीं करवा सकी।

उन्होंने कहा, ''पीने के पानी की आपूर्ति के लिए आवश्यक कदम उठाने के अलावा सिद्दरामैया सरकार ने पहली बार यह सुनिश्चित किया है कि प्रभावित किसानों को राहत के रूप में 2,000 रुपये उनके बैंक खातों में मिले। भाजपा इसे पचा नहीं पा रही है।''

शिवकुमार ने दावा किया कि केंद्र ने कर्नाटक के साथ अन्याय किया है और इसे सही करने के बजाय, भाजपा संप्रग शासन के दौरान राज्य को जारी किए गए धन के रिकॉर्ड की मांग करके यह स्वीकार करती दिख रही है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासन के दौरान अन्याय हो रहा है।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्य के सिंचाई मंत्री शिवकुमार ने कहा, हम, कांग्रेस चुनाव हार गए, लेकिन आप (भाजपा) 300 से अधिक सीटों के साथ जीते...सब कुछ छोड़ दीजिये, पिछले केंद्रीय बजट में, निर्मला सीतारमण ने कहा था कि राज्य की ऊपरी भद्रा सिंचाई परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये दिए जाएंगे क्या उसके लिए एक रुपया भी जारी किया गया है। वे (भाजपा) बतायें। कर्नाटक से कांग्रेस के सभी जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया सहित विधायक कर अंतरण और सहायता अनुदान के मामले में केंद्र सरकार द्वारा राज्य के साथ अन्याय' के खिलाफ सात फरवरी को नयी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

शिवकुमार ने कहा, कोई और रास्ता नहीं है, हमें राज्य के हित में अपनी आवाज उठानी होगी। मैं भाजपा और जद (एस) दोनों से अनुरोध करूंगा कि वे आएं और राज्य के हित में इसमें भाग लें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र की इस हालिया टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि लोग कांग्रेस पार्टी की बनावटी गारंटी के झांसे में नहीं आएंगे क्योंकि वे जानते हैं कि मोदी की गारंटी सबसे अच्छी है, शिवकुमार ने कहा कि वह (विजयेंद्र) इस पद पर नए हैं और नयी बातें कर रहे हैं और कहा कि वह उन्हें हतोत्साहित नहीं करना चाहते।

समापन

बेंगलूरु में रविवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया केएसआरपी स्टेडियम में 12वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023-24 के समापन अवसर पर।

'अलग राष्ट्र' संबंधी टिप्पणी

भाजपा सदस्यों ने सांसद डी के सुरेश के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई सदस्य कांग्रेस सांसद डी के सुरेश की 'अलग राष्ट्र'' संबंधी टिप्पणी के विरोध में रविवार को उनके आवास के बाहर प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए। सुरेश ने बृहस्पतिवार को कहा था कि अगर विभिन्न करों से एकत्रित धनराशि के वितरण के मामले में दक्षिणी राज्यों के साथ हो रहे ''अन्याय'' को रोका नहीं गया तो दक्षिणी राज्य एक अलग राष्ट्र की मांग करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

प्रदर्शनकारियों को यहां सदाशिवनगर में सुरेश के आवास के बाहर 'वंदे मातरम', 'भारत माता की जय' और 'डी के सुरेश मुर्दाबाद' के नारे लगाते हुए सुना गया। पुलिस प्रदर्शनकारियों को जल्द ही वहां से हटाकर एक बस में ले गई। सुरेश कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार के भाई हैं।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''भाजपा के सदस्यों का एक समूह कांग्रेस सांसद के आवास के बाहर एकत्र हुआ था। उन्होंने दक्षिणी राज्यों के लिए अलग राष्ट्र की मांग से जुड़े उनके बयान के खिलाफ वहां विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन हमारे अधिकारियों ने उन्हें तुरंत वहां से हटाकर हिरासत में ले लिया। स्थिति नियंत्रण में है।''

बेंगलूरु ग्रामीण सीट से सांसद सुरेश ने यह भी आरोप लगाया था कि दक्षिण भारत पर ''हिंदी थोपी'' जा रही है। सुरेश ने विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध करने और अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ...मैं उनके विरोध का खुशी से स्वागत करता हूं...ईश्वर उन्हें आशीर्वाद दें।

सुरेश ने भाजपा पर उनके बयान को 'तोड़-मरोड़कर' पेश करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा, मैंने कभी नहीं कहा कि इस देश को विभाजित करना है, वे (भाजपा) इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, वे राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश क्यों कर रही है? इस सवाल के जवाब में सुरेश ने कहा, आपको (मीडिया) उनसे पूछना चाहिए... जो मीडिया मेरा बयान दिखा रहा है, उसे इसे पूरा सुनकर इस पर बात करनी होगी। मुझे नहीं पता कि यह मीडिया की गलती है, भाजपा की है या मेरी।

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। अगर आप कहते हैं कि नहीं, हम एक पक्ष के समर्थन में हैं, तो मैं कुछ नहीं कर सकता।'' उन्होंने कहा कि उनका बयान बहुत स्पष्ट है और भाजपा इसे तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। इस बीच, राज्य भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि उनकी पार्टी के युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सुरेश के आवास के बाहर शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन पर पुलिस ने अनावश्यक लाठीचार्ज किया।

विजयेंद्र ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई से कार्यकर्ताओं को गंभीर चोटें आईं। उन्होंने इसे कांग्रेस सरकार द्वारा प्रेरित 'गुंडागर्दी' करार दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेगी।

शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठियां : पी. राजीव

'बीजेपी ने प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं पर भारी पुलिस हमले की निंदा की है, जो व्यक्ति असंवैधानिक, देश तोड़ने वाला बयान देता है वह सुरक्षित है।' हालांकि, बीजेपी के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने निंदा करते हुए कहा है कि आपके बयान से देश की एकता और अखंडता को खतरा है और पुलिस ने शांतिपूर्वक विरोध करने गए लोगों पर न सिर्फ लाठीचार्ज किया है, बल्कि जानलेवा हमला भी किया है। उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात की और लाठीचार्ज की निंदा की।

जनता को गुमराह करने के लिए कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है : लहरसिंह सिरोया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया ने रविवार को मल्लेश्वरम स्थित जगन्नाथ भवन में एक पत्रकार वार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के नेतृत्व में आगामी 7 फरवरी को नई दिल्ली में केन्द्र सरकार के विरुद्ध जो धरना प्रदर्शन का आह्वान किया है। उसे अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनाएं। केन्द्र सरकार अपनी नीति नियमों के आधार पर राज्यों को सहयोग करता है। कर्नाटक को हमेशा अपने भाग से ज्यादा ही मिला है। हर बात में प्रधानमंत्री को दोषी करार करना, जनता को गुमराह करने के लिए दिल्ली में प्रदर्शन करना यह सही नहीं है।

वर्ष 2013 में सिद्दरामैया की बल्लारी पद यात्रा का उल्लेख करते हुए लहरसिंह ने कहा कि उस समय घोटालों की जांच के लिए एचके पाटिल के नेतृत्व में एक रिपोर्ट पटल पर रखी गई थी। लेकिन सिद्दरामैया सरकार ने अपने पहले पांच साल और अब दूसरे टर्म में भी इस रिपोर्ट पर कोई कार्यवाही नहीं की। इस रिपोर्ट के अनुसार घोटालों में लिप्त लोगों से पैसे वसूल करने की बात कही गई थी। सांसद लहर सिंह सिरोया ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से आग्रह किया है कि राज्य सरकार को एचके पाटिल कैबिनेट उप-समिति की रिपोर्ट में उल्लेखित अवैध खनन के लिए जुर्माना वसूली को प्राथमिकता देनी चाहिए। समिति ने अनुसार अवैध खनन के कारण अनुमानित 1.43 लाख करोड़ रुपये का बकाया है। लहर सिंह ने कहा कि यदि सिद्दरामैया द्वारा 10 साल पहले (2013 में) किए गए वादे के अनुसार बकाया वसूल किया जाता है, तो सरकार गारंटी योजनाओं को पूरी तरह से लागू करने के लिए पर्याप्त धनराशि अलग से जमा कर सकती है।

बजट में अन्याय को लेकर डीके सुरेशकुमार की बात पर लहरसिंह ने कहा कि सुरेश मेरे अच्छे मित्र हैं और उनको यह लग रहा है कि उनके भाई डीके शिवकुमार को राज्य का मुख्यमंत्री बनना चाहिए था। उन्होंने गत पांच साल पूरा परिश्रम करके येन केन प्रकारेण बहुमत हासिल किया है और पार्टी को सरकार में लाए हैं। लेकिन उनके हाई कमांड सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने मिलकर उनके पुरस्कार से वंचित किया है और सिद्दरामैया को मुख्यमंत्री बना दिया है।

जो पहले भी मुख्यमंत्री रहे है उनके पांच साल की सरकार में पार्टी की स्थिति खराब हुई है। तो मैं यह समझता हूँ कि उनका यह दुख कहीं न कहीं प्रदर्शित हो रहा है।

अमोनिया लीक : तमिलनाडु सरकार ने कानूनी कार्रवाई सहित कई उपायों पर समिति की रिपोर्ट स्वीकार की

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु सरकार ने दिसंबर 2023 में यहां एक निजी इकाई से अमोनिया गैस के रिसाव के कारण का पता लगाने के लिए गठित एक तकनीकी समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। समिति ने कानूनी कार्रवाई करने समेत क्षतिपूर्ति के रूप में कंपनी से 5.92 करोड़ रुपये वसूलने की सिफारिश की है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तकनीकी समिति ने निष्कर्ष निकाला कि 26 दिसंबर को तट के करीब स्थित 'कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड' की समुद्र के नीचे की पाइपलाइन से अमोनिया का रिसाव हुआ था।

मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर ने 'मराठा दिवस' मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेलगावी के मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंटल सेंटर में रविवार को एक समारोह में मराठा दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मराठा लाइट इन्फैंट्री के मेजर जनरल हितेश भल्ला के नेतृत्व में पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया, जो सैनिकों के बलिदानों के प्रति सम्मान का प्रतीक था।

मराठा सैनिकों के शौर्य को प्रदर्शित करने के लिए मेजर संदीप के नेतृत्व में साइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाई गई। इन उत्साही साइकिल चालकों में सेवारत और सेवानिवृत्त रेजिमेंटल कर्मी शामिल हैं, जो मराठा रेजिमेंट की अदम्य भावना के तहत एक ऐतिहासिक किले से दूसरे किले तक की चुनौतीपूर्ण यात्रा पर निकले हैं।

समारोह में सैन्य अधिकारियों और उनके परिवारों, योद्धाओं, वीरांगनाओं सहित विभिन्न लोगों ने भाग लिया। बता दें कि 4 फरवरी को 'मराठा दिवस' के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन वर्ष 1670 में छत्रपति शिवाजी महाराज ने पुणे के पास प्रसिद्ध कोंढाणा किला (जिसे अब सिंहगढ़ के नाम से जाना जाता है) पर विजय प्राप्त की थी। उस दौरान तानाजी मालुसरे और अनेक वीर सैनिकों ने बलिदान दिया था।

गारंटी योजनाओं को मुफ्त योजना न कहें : मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि राज्य में उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई गारंटी योजनाओं को मुफ्त योजनाएं करार नहीं दिया जाना चाहिए। दावणगेरे में पत्रकारों के 38वें राज्य सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से अंधविश्वास को खारिज करने और लोगों को सच बताने का साहस विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, पत्रकारों को राजनीति की जरूरत नहीं है। उन्हें वस्तुनिष्ठ होना होगा। पत्रकारों को गरीबों और मध्यम वर्ग की आर्थिक ताकत बढ़ाने वाली गारंटी योजनाओं को मुफ्त योजना नहीं कहना चाहिए।

उन्होंने कहा, इस गैर-पक्षपातपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष, गैर-धार्मिक योजना को मुफ्त गारंटी नहीं कहा जाना चाहिए, बल्कि कुछ भी लिखने से पहले इसकी समीक्षा की जानी चाहिए। सिद्दरामैया ने आगे कहा, दिन भर पति-पत्नी की लड़ाई दिखाने के बजाय उन निहित स्वार्थों को पहचानें और उनके बारे में लिखें जो समाज के विकास में बाधा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजोन्मुखी पत्रकारिता इसी से संभव है।

सिद्दारमैया ने खुद को अभिव्यक्ति की आजादी का समर्थक बताते हुए कहा कि इस आजादी को कुछ गरिमा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, आम लोगों को मीडिया से बहुत उम्मीदें हैं। यह उन लोगों के लिए होना चाहिए जो अवसरों से वंचित हैं। प्रौद्योगिकी और विज्ञान बहुत विकसित हो चुका है और पत्रकारिता को इसका लाभ उठाना होगा। लेकिन पत्रकारों को किसी भी कारण से ईमानदारी नहीं भूलनी चाहिए। कर्नाटक यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष शिवानंद तगादुरु ने मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के.वी. प्रभाकर के सहयोग से आयोजित सम्मेलन की अध्यक्षता की।

कर्नाटक में 'मंकी फीवर' से दो लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में इस साल अब तक मंकी फीवर' से दो लोगों की मौत हो चुकी है, जिसके मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस वायरल संक्रमण के प्रसार से निपटने के लिए तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, 'मंकी फीवर' (क्यासानूर फॉरेस्ट डिजीज) (केएफडी) के कारण पहली मौत आठ जनवरी को शिवमोग्गा जिले के होसानगर तालुक में हुई थी, जिसमें 18 वर्षीय एक युवती की मौत हो गई थी।

वहीं, दूसरी मौत उडुपी जिले के मणिपाल में हुई, जब चिक्कमंगलूरु के श्रृंगेरी तालुक में रहने वाले 79 वर्षीय व्यक्ति की एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। कर्नाटक में अब तक 'मंकी फीवर' के 49 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से उत्तर कन्नड़ जिले में सर्वाधिक 34 मामले सामने आए हैं। इसके बाद शिवमोग्गा जिले में 12, जबकि चिक्कमंगलूरु में संक्रमण के तीन मामले सामने आए।

केएफडी के मामलों की संख्या में वृद्धि और इससे दो लोगों की मौत होने के बीच कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त डी. रणदीप ने शनिवार को शिवमोग्गा जिले का दौरा किया तथा उत्तर कन्नड़, शिवमोग्गा और चिक्कमंगलूरु जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठकें कीं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त के मुताबिक, राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इस साल एक जनवरी से अब तक प्रभावित जिलों से कुल 2,288 नमूने एकत्र किए हैं, जिसमें से 48 मामलों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

बेंगलूरु में रविवार को मंत्री दिनेश गुंडूराव विधानसौधा में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के सहयोग से सर्जिकल सोसाइटी ऑफ बेंगलूरु द्वारा विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर आयोजित वॉकथॉन कैनवॉक 2024 के दौरान।

युवा निरोगी जीवन के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि निरोगी जीवन के लिए युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता है। देश में 'यंग इंडिया', 'फिट इंडिया' तथा 'खेलो इंडिया' जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। यह परंपरा युवाओं को स्वस्थ और गतिशील बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। शर्मा ने रविवार को 'संस्कृति युवा संस्था' और 'वर्ल्ड ट्रेड पार्क' द्वारा आयोजित 15वीं जयपुर मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में व्यस्त जीवन शैली के कारण लोग स्वस्थ जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। देर रात तक जागने और सुबह देरी से उठने के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, राज्य सरकार प्रदेशवासियों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रोत्साहित करने और खेलकूद को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करेगी। प्रदेश में खेल सुविधाओं को विकसित किया जाएगा और सरकारी स्कूलों व कॉलेजों समेत खेलों के बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों में अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराये जाएंगे जिससे वे देश और दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, राजस्थान स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को लेकर अन्य प्रदेशों से अग्रणी है। यह वीरों की भूमि है। यहां के युवा सेना में शामिल होकर देश की सेवा के लिए उत्साहित रहते हैं, इसलिए वे अपने स्वास्थ्य एवं फिटनेस पर विशेष ध्यान देते हैं। प्रदेश के गांवों, कस्बों तथा शहरों में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां सुबह जल्दी उठकर दौड़ लगाते एवं व्यायाम करते नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर मैराथन लोगों में बढ़ती खेल भावना का प्रमाण है और एक ऐसा आयोजन है, जिससे आगामी वर्षों में भविष्य के एथलीट अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह आयोजन हमें धैर्य, संघर्षशीलता और समर्पण के महत्व को समझाता है तथा जयपुर के समृद्ध इतिहास और संस्कृति को प्रदर्शित करता है। 15वीं जयपुर मैराथन में पांच विभिन्न श्रेणियों में बुजुर्गों, युवाओं, महिलाओं, बच्चों तथा दिव्यांगजन ने भारी उत्साह से हिस्सा लेकर दो नये रिकॉर्ड बनाये। विजेता धावकों को पुरस्कृत भी किया गया। शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में व्यस्ततम जीवन शैली के कारण लोग स्वस्थ जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। देर रात तक जागने और सुबह देरी से उठने के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को लेकर अन्य प्रदेशों से अग्रणी है। यह वीरों की भूमि है। यहां युवा सेना में शामिल होकर देश की सेवा के लिए उत्साहित रहते हैं, इसलिए वे अपने स्वास्थ्य एवं फिटनेस पर विशेष ध्यान देते हैं। प्रदेश के गांवों, कस्बों तथा शहरों में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां सुबह जल्दी उठकर दौड़ लगाते एवं व्यायाम करते नजर आते हैं। 15वीं जयपुर मैराथन में 5 विभिन्न श्रेणियों में बुजुर्गों, युवाओं, महिलाओं, बच्चों तथा दिव्यांगजन ने भारी उत्साह से हिस्सा लेकर 2 नये रिकॉर्ड बनाये। विजेता धावकों को पुरस्कृत भी किया गया।

कार्यक्रम में सांसद रामचरण बोहरा, विधायक बालमुकुन्दाचार्य, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्नावट, जयपुर मैराथन के आयोजक सुरेश मिश्रा, वर्ल्ड ट्रेड पार्क अध्यक्ष अनूप बरतरिया तथा संस्कृति युवा संस्था सचिव नीलम मिश्रा, भजन गायक अनूप जलोटा, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग तथा धावक उपस्थित थे।

पार्टी दफ्तरों की तरह काम कर रहे हैं राजभवन : मारग्रेट अल्वा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मारग्रेट अल्वा ने आरोप लगाया है कि कई राज्यों में राज भवन पार्टी कार्यालयों की तरह काम कर रहे हैं और राज्यपाल सरकारों को बनाने और गिराने में राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। स्वयं राज्यपाल रह चुकीं अल्वा ने 17वें जयपुर साहित्योत्सव(जेएलएफ) में एक सत्र को संबोधित करते हुए शनिवार को कहा कि राज्यपाल राजनीतिक दलों के एजेंट नहीं हैं और उनसे राज भवनों में संविधान की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहार करने की उम्मीद की जाती है।

उन्होंने 'वी द पीपल : दी सेंटर एंड दी स्टेट्स' सत्र में कहा, राज्यपाल की भूमिका की संपूर्ण अवधारणा संघीय व्यवस्था को चालू रखना है। आज, चुनौतियां हैं, सामान्य से हटकर व्यवहार किया जा रहा है और हम कई राज्यों में ऐसा देख रहे हैं । कई परिस्थितियों में राज भवन पार्टी कार्यालयों की तरह काम कर रहे हैं।

उत्तराखंड, गोवा, गुजरात और राजस्थान की राज्यपाल रह चुकी अल्वा ने कहा, राज्य मंत्रिमंडलों की सलाह की अनदेखी करते हुए सरकारों को बनाने और गिराने में राज्यपाल राजनीतिक भूमिका अदा कर रहे हैं। वास्तविकता तो यह है कि हम कई राज्यों में राज भवन और सरकारों के बीच रोजाना संघर्ष देखते हैं। मेरा मानना है कि यह सही बात नहीं है। उन्होंने केरल, पुडुचेरी और दिल्ली का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार राज्यपाल कथित रूप से केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर काम कर रहे हैं और राज्य की नीतियों में बार-बार अडंगा लगा रहे हैं। अल्वा ने कहा, आप देख सकते हैं कि केरल के राज्यपाल सड़क पर बैठ कर सरकार के खिलाफ विरोध जता रहे हैं .... इससे पद की गरिमा खत्म होती है। पश्चिम बंगाल की खराब हालत तो आप देख चुके हैं या पुडुचेरी, जहां राज्यपाल ने उच्च न्यायालय के आदेशों का अनुपालन करने से इनकार कर दिया और प्रशासन को आदेश पर आदेश देना जारी रखा। उन्होंने कहा, मेरा यह सब कहने का मतलब यह है कि यदि राज्यपाल संवैधानिक व्यवस्था की अनदेखी करेंगे तो यही लोग हैं जो केंद्र और राज्यों के बीच विवाद पैदा करेंगे।

अरुंधति सुब्रमणयम को महाकवि कन्हैया लाल सेठिया कविता पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लेखिका एवं कवयित्री अरुंधति सुब्रमण्यम को जयपुर साहित्य महोत्सव (जेएलएफ) में 'महाकवि कन्हैयालाल सेठिया कविता पुरस्कार, 2024' से सम्मानित किया गया। संस्कृति और आध्यात्मिकता पर केंद्रित अपनी रचनाओं के लिए पहचान बनाने वाली अरुंधति सुब्रमण्यम को जेएलएफ में शनिवार को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। अरुंधति को प्रशस्ति पत्र के साथ ही एक लाख रूपये का 'चेक' पुरस्कार स्वरूप दिया गया।

'व्हेन गॉड इज ए ट्रैवलर कविता संग्रह की कवयित्री अरुंधति की इस रचना को 2015 में 'टी.एस. इलियट पुरस्कार' के लिए 'शार्ट लिस्ट' किया गया था और इसी कविता संग्रह के लिए उन्हें 2020 में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किया गया। कवि, शिक्षक, समाज सुधारक, पर्यावरणविद और स्वतंत्रता सेनानी कन्हैया लाल सेठिया के सम्मान में यह पुरस्कार महाकवि कन्हैयालाल सेठिया फाउंडेशन द्वारा जेएलएफ के सहयोग से प्रदान जाता है। जेएलएफ के निर्णायक मंडल में शामिल नमिता गोखले, संजोय रॉय, जयप्रकाश सेठिया और सिद्धार्थ सेठिया ने सर्वसम्मति से इस पुरस्कार के लिए पिछले दिनों अरुंधति का चुनाव किया था। राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध कवि कन्हैयालाल सेठिया ने हिंदी, उर्दू और राजस्थानी भाषा में 42 से अधिक किताबों की रचना की थी। उन्हें 2004 में केंद्र सरकार द्वारा 'पद्मश्री' पुरस्कार और 2012 में राजस्थान सरकार द्वारा 'राजस्थान रत्न' पुरस्कार के लिए चुना गया था। 'महाकवि कन्हैयालाल सेठिया कविता पुरस्कार' 2023 में साहित्य अकादमी के पूर्व सचिव के. सच्चिदानंद को और 2022 में मशहूर कवि रंजीत होसकोटे को प्रदान किया गया था।

बहुमत की आड़ में देश चुनावी लोकतंत्र के बजाय 'चुनावी तानाशाही' में बदल रहा है : शशि थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकतांत्रिक संस्थाओं के क्षरण पर चिंता जताते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने रविवार को यहां कहा कि बहुमत की आड़ में देश चुनावी लोकतंत्र के बजाय 'चुनावी तानाशाही' में बदल रहा है। थरूर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय राजनीतिक परिदृश्य व्यक्ति केंद्रित हो गया है और पिछले दस वर्षों से देश ने केवल 'मैं ' और 'सिर्फ मैं' ही सुना है। उन्होंने कहा कि लेकिन अब देश को एक ऐसे वैकल्पिक नेतृत्व की जरूरत है, जो जनता जनार्दन की बात सुने, उसकी जरूरतों को समझे और उसकी समस्याओं का समधान निकाले।

पूर्व नौकरशाह, लेखक और कांग्रेस पार्टी के नेता शशि थरूर ने यहां 17वें जयपुर साहित्य महोत्सव में यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क में ग्लोबल डेवलपमेंट पॉलिटिक्स के वरिष्ठ प्रोफेसर इंद्रजीत रॉय की पुस्तक पर आधारित सत्र 'ऑडेसियस होप : हाउ टू सेव ए डेमोक्रेसी' पर एक चर्चा में भाग लेते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं

की स्वायत्तता और उनके मूल ढांचे को ध्वस्त करने का भी आरोप लगाया।

आगामी आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व का भारतीय जनता पार्टी को फायदा मिलने और इसके विपक्ष के लिए नुकसानदेह होने की आशंका पर तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस के सांसद थरूर ने कहा, हमारे यहां संसदीय प्रणाली है, जिसे राष्ट्रपति द्वारा संचालित किया जाता है और हमें इस बारे में 2014 के 'मैं नहीं, हम' नारे को याद रखना चाहिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बिना कहा,' हमने पिछले दस साल में बहुत मैं, मैं सुना है। केवल एक व्यक्ति की बात होती रही है । थरूर ने कहा कि इसका जवाब यह है कि एक भिन्न प्रकार का नेतृत्व तैयार किया जाए, जो केवल अपना ही बखान न करे, बल्कि पूरी विनम्रता के साथ आपकी बात सुने, आपके बारे में बात करे, आपकी जरूरतों को समझे और उनका समाधान करे। श्रोताओं की ओर से यह सवाल भी पूछा गया कि 'इंडिया' गठबंधन मोदी के मुकाबले में किसी एक ऐसे नाम पर सहमति नहीं बना सका, जो उनका मुकाबला कर सके। श्रोताओं की ओर से वैकल्पिक नेतृत्व प्रदान करने की दिशा में 'इंडिया' गठबंधन की रणनीति संबंधी सवाल पर थरूर ने कहा, 'वोट दीजिए, और फिर हम इस सवाल का जवाब देंगे।'

तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के क्रमश: पश्चिम बंगाल और पंजाब में अकेले चुनाव मैदान में उतरने संबंधी घोषणाओं के संदर्भ में यह पूछे जाने पर कि 'इंडिया' गठबंधन एकजुट क्यों नहीं हो रहा है, तो इसपर थरूर ने कहा, 'तथ्य की बात यह है कि इसमें कई सारी राजनीतिक पार्टियां शामिल हैं, कोई एक फार्मूला सभी पर लागू नहीं हो सकता, प्रत्येक राज्य की अपनी राजनीति और अपना राजनीतिक इतिहास है। इसलिए जब बात राष्ट्र की हो, तो आपको हैरानी नहीं होनी चाहिए। कुछ राज्य हैं, जहां हम एक दूसरे से सहमत हैं, कुछ में सहमत नहीं हैं।

स्टोनमार्ट प्रदर्शनी में खान विभाग का स्टॉल बना लोगों के आकर्षण का केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीतापुरा में चल रहे स्टोन मार्ट में राज्य के खान विभाग के स्टॉल पर सोने की खान का सैंपल यहां आने वाले दर्शकों का प्रमुख आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। प्रदर्शनी के अवलोकन के लिए आने वाले लोगों को यह विश्वास ही नहीं हो रहा कि राजस्थान की धरा में भी सोने की खान हो सकती है। खान विभाग के अधिकारियों ने भूकिया के सोने के संभावित डिपोजिट खान के सेंपल में लेंस के माध्यम से सोने के चमकते कण इस स्टॉल पर सजाकर रखे है। खान विभाग से जुड़े लोगों के साथ ही प्रदर्शनी में आने वाले दर्शकों के लिए राजस्थान माइनिंग विभाग का पवेलियन इस लिए भी आकर्षण का केन्द्र बन रहा है कि यहां पर राजस्थान की धरा द्वारा उगले जाने वाले सभी तरह के माइंस और इससे जुड़ी संदर्भ सामग्री सैंपल और डिसप्ले पैनल्स के माध्यम से प्रभावी तरीके से प्रस्तुत की गई है।

खान सचिव आनन्दी ने भी स्टोनमार्ट का अवलोकन करने के बाद इसकी प्रस्तुति और संदर्भ सामग्री की सराहना की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की माइनिंग संपदा देश-दुनिया से रुबरु कराने में स्टोन मार्ट जैसे आयोजन उपयोगी सिद्ध होते हैं। खान निदेशक प्रज्ञा केवलरमाणी ने बताया कि स्टोन मार्ट में विभागीय पवेलियन में प्रदेश में खनन किए जा रहे सभी 57 खनिजों के सैंपल प्रदर्शित किए गए हैं। इसके साथ ही डायमेंशनल स्टोन की स्लैब भी प्रदर्शित करते हुए उनकी उपलब्धता की जानकारी दी जा रही है। राज्य में मेटेलिक, नोनमेटेलिक और फर्टिलाइजर केमिकल खनिज का भण्डार उपलब्ध है। एक ही प्रदेश में इतने प्रकार के खनिजों की वेरायटी देखकर अन्य प्रदेशों और विदेशों से स्टोनमार्ट में हिस्सा लेने आये प्रतिभागी अचंभित है।

अधिकारीगण लोक हित में पूरी संवेदनशीलता के साथ करें काम : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के निराकरण के साथ ही जन कल्याण और सामुदायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इन प्रयासों में कहीं कोई कमी नहीं रखी जाएगी। कैबिनेट मंत्री ने यह बात जोधपुर सर्किट हाऊस में रविवार को जनसुनवाई के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने आम जन की समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों से एक्शन टेकन रिपोर्ट की जानकारी लेते हुए उनके संतोषपूर्ण एवं त्वरित समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जोगाराम पटेल ने कहा कि जनता तथा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के प्रति अधिकारी गंभीरता बरतें तथा जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए सुशासन से परिपूर्ण राज-काज का आदर्श प्रस्तुत करें। इसके लिए विभागीय स्तर पर जन समस्याओं के निस्तारण की आरंभिक पहल करें ताकि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द हो सके और इसके लिए उन्हें किसी प्रकार की देरी का सामना न करना पड़े। कैबिनेट मंत्री पटेल ने कहा कि बुनियादी लोक सेवाओं तथा जन सुविधाओं की नियमित एवं निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना विभागीय अधिकारियों का दायित्व है जिसे उन्हें पूरी संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करना चाहिए ताकि सुशासन के संकल्पों को साकार किया जा सके। आमजन की समस्याओं को तसल्ली से सुनते हुए उन्होंने विश्वास दिलाया कि समस्याओं का यथोचित समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश

जयपुर। राजस्थान में पिछले 24 घंटो में जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, अजमेर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार इस दौरान पश्चिमी राजस्थान के हनुमानगढ़ के गोलूवाला में सर्वाधिक 21 मिलीमीटर बारिश, बीकानेर के डूंगरगढ़ में 10 मिलीमीटर, हनुमानगढ़ में 10 मिलीमीटर, हनुमानगढ़ के संगरिया में 7 मिलीमीटर, अनूपगढ़ में 6 मिलीमीटर, श्रीगंगानगर के टिब्बी में 5 मिलीमीटर, बीकानेर के पूगर में 5 मिलीमीटर जबकि पूर्वी राजस्थान के झुंझुनूं के मंडावा और चिड़ावा में क्रमश: 6 और 5 मिलीमीटर, अलवर के कोटकासिम में 5 मिलीमीटर तथा अन्य कई हिस्सों में चार मिलीमीटर से लेकर 1 मिलीमीटर तक बारिश दर्ज की गई।

उन्होंने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रविवार को भी जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर संभाग में बादल छाए रहने व कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं सोमवार से राज्य के अधिकांश भाग में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि सोमवार को कहीं-कहीं घना कोहरा दर्ज होने और मंगलवार से प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट होने की संभावना है।

उद्घाटन

जयपुर में रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रदेश कोर कमेटी की बैठक का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा । इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी उपस्थित रही।

कार के खंभे से टकराने से तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले के लोसल थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक कार सड़क पर लगे खंभे से टकरा गई जिससे कार में सवार तीन युवकों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि डीडवाना रोड पर सांगलिया से मोलासर की ओर जा रही एक कार अनियंत्रित होकर गणगौर होटल के पास सड़क पर लगे खंभे से टकरा गई, जिससे कार में सवार शीशराम ओला (20), धर्मेन्द्र जाट (19), लोकेश जाट (20) की मौत हो गई जबकि एक अन्य सुनील जाट (15) घायल हो गया। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है।

जब इब्राहिम अल्काजी केवल 'बुशर्ट' पहन कर पार्टी में पहुंच गए थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आधुनिक भारतीय थियेटर के पितामह कहे जाने वाले और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पूर्व निदेशक इब्राहिम अल्काजी को जीवन से इतना अधिक प्रेम था कि वह और सौ साल जीना चाहते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि थियेटर और कला की दुनिया में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार समेत तमाम अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित इब्राहिम अल्काजी की बेटी अमाल अल्लाना ने अपने पिता को याद करते हुए उनके जीवन से जुड़े कुछ अनजान पहलुओं को यहां जयपुर साहित्योत्सव (जेएलएफ) में साझा किया। इब्राहिम अल्काजी 196277 तक एनएसडी के निदेशक रहे और उन्होंने इस संस्थान को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। नसीरूद्दीन शाह, नादिरा बब्बर और ओमपुरी जैसे तमाम दिग्गज अभिनेताओं के गुरू रहे अल्काजी ने थियेटर को पेशेवराना और तकनीकी आयाम प्रदान करने के साथ ही कई क्रांतिकारी बदलाव किए। आर्ट हैरिटेज की निदेशक और अल्काजी फाउंडेशन की ट्रस्टी अमाल अल्लाना ने इब्राहिम अल्काजी: होल्डिंग टाइम कैप्टिव पुस्तक पर चर्चा के दौरान अपने पिता को याद करते हुए कहा कि यह किताब इब्राहिम अल्काजी को एक कलाकार और एक पिता के रूप में महान साबित करने के लिए नहीं है । उन्होंने कहा, यह इब्राहिम अल्काजी को, वह बनते हुए देखने के सफर से जुड़ी यादों का दस्तावेज है, जो वह बने । अमाल का कहना था कि यह किताब लिखना उनके लिए बहुत ही भावनात्मक अनुभव था जिसमें उन्होंने सच के पक्ष में खड़े होना चुना।

उन्होंने कहा कि इब्राहिम अल्काजी के जीवन में उमा आनंद नामक दूसरी महिला थीं और उनके बारे में लिखते हुए इब्राहिम अल्काजी के जीवन के इस पक्ष पर परदा डालना ठीक नहीं होता। वह कहती हैं कि इस त्रिकोणीय संबंध को समझने के लिए उन्हें इसे अपनी मां रौशन अल्काजी के नजरिए से देखना पड़ा क्योंकि वह उन दोनों के संबंधों को इतनी गहराई से नहीं समझती थीं जितना अपने पिता और अपनी मां के संबंधों को जानती थीं।

रौशन अल्काजी की कला में आस्था प्रतिबद्धता की गहराई तक थी और उन्होंने बतौर कॉस्ट्यूम डिजाइनर इब्राहिम अल्काजी के साथ थियेटर को एक नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। इब्राहिम और उमा आनंद के संबंधों पर कोई परदेदारी नहीं थी लेकिन अमाल अल्लाना कहती हैं कि उनके पिता का व्यक्तित्व ऐसा था कि उसने किसी को नैतिकता का ठेकेदार बनने की इजाजत नहीं दी।

इब्राहिम अल्काजी: होल्डिंग टाइम कैप्टिवके शीर्षक को लेकर किए गए एक सवाल के जवाब में अमाल अल्लाना ने बताया, कोविड महामारी के दौरान चार अगस्त 2020 को जिस दिन अल्काजी का निधन हुआ .... घर के सभी लोग उनके आसपास मौजूद थे। नाती पोते सब । मैं वहीं बैठी थी। अचानक कुछ जादू सा हुआ। मैंने पास ही रखी टेबल की ड्रार खोली और उसमें उनके हाथ का लिखा हुआ एक पुर्जा मिला । उम्र के कारण उनके हाथ कांपते थे तो लिखाई भी टेढ़ी मेढ़ी थी ।

युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़कर उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़कर उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को यहां मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में वृहद रोजगार मेला एवं नवचयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि फरवरी 2023 में हुए वैश्विक निवेशक सम्मेलन में प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं और इनसे 1.10 करोड़ युवाओं को रोजगार और नौकरी मिलेगी। योगी ने कहा इसके लिए जरूरी है कि सभी आईटीआई, पॉलिटेक्निक जैसे संस्थान उद्योगों की मांग को समझकर, उसके अनुरूप ट्रेड और पाठ्यक्रम तैयार करें। युवाओं को रोजगार और सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा, युवाओं को ट्रेनिंग (प्रशिक्षण) से जोड़कर उन्हें आगे बढ़ाने की जरूरत है। 'मुख्यमंत्री इंटर्नशिप कार्यक्रम' के साथ युवाओं को जोड़कर आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

योगी ने कहा, इस योजना में आधा मानदेय सरकार और आधा उद्योग द्वारा दिया जाता है और इससे युवा अपने शिक्षा के दौरान परिवार पर निर्भर न होकर आत्मनिर्भर रहेंगे। उसको शिक्षा के साथ मानदेय भी प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता जताई कि एक वर्ष में दूसरी बार मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वृहद रोजगार मेला का आयोजन हो रहा है, जिसमें लगभग 15 हजार युवाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो नौजवान आज यहां रोजगार हासिल नहीं कर पाए वे प्रयास करते रहें, उनके लिए भी शासन द्वारा रोजगार सृजन का कार्य किया जा रहा है।

योगी ने कहा, हर हाथ को काम, आज उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। आज का उत्तर प्रदेश नए भारत का एक नया उत्तर प्रदेश है जहां हर क्षेत्र में सफलता के नित नए प्रतिमान स्थापित हो रहे हैं। विकास के नए मॉडल दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डाटा प्रौद्योगिकी से जुड़कर व्यावसायिक शिक्षा विभाग वैश्विक मानक के अनुरूप नए पाठ्यक्रम के लिए कार्य कर रहा है।

उप्रः केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तीन पुलों का उद्घाटन किया

लखीमपुर खीरी (उप्र)/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को ऑनलाइन माध्यम से लखीमपुर खीरी में तीन नए पुलों का उद्घाटन किया। गडकरी ने 297 करोड़ रुपए की लागत से बने जिन आरओबी का उद्घाटन किया वे पीलीभीत-बस्ती राष्ट्रीय राजमार्ग पर छाउछ चौराहे, एलआरपी चौराहे और राजापुर चौराहे पर बनाए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने एलआरपी क्रॉसिंग पर आयोजित एक कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए क्षेत्रीय सांसद और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र की सराहना की और कहा, इन तीन पुलों को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा की पहल पर बनवाया गया है। उन्होंने कहा कि यह तीनों पुल 2024 के निर्धारित समय से दो माह पहले जनवरी में ही बनकर तैयार हो गए। इनके बन जाने से यातायात सुगम होगा और लोगों की सहूलियत होगी।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने इस मौके पर अपने संबोधन में पुल बनवाने के अनुरोध को स्वीकार करने और रिकॉर्ड समय में इसे बनवाने के लिए गडकरी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि तीन और पुल प्रस्तावित हैं। इनमें से एक घाघरा नदी पर, दूसरा शारदा नदी पर और दूसरा गोला नगर में बनेगा। मिश्रा ने बताया कि 2014 में केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में तेजी आई है।

दिल्ली पुलिस ने विधायकों की 'खरीद-फरोख्त' के आरोपों के संबंध में आतिशी को नोटिस दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा का एक दल रविवार को वित्त मंत्री आतिशी के आवास पर पहुंचा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आम आदमी पार्टी के विधायकों की ''खरीद-फरोख्त'' की कोशिशों के आरोपों के संबंध में उन्हें एक नोटिस दिया। सूत्रों ने बताया कि अपराध शाखा का दल रविवार अपराह्न 12 बजकर 55 मिनट पर दूसरी बार 'आप' नेता के आवास पर पहुंचा और उसके बाद उनके कर्मचारी को नोटिस सौंपा। नोटिस के अनुसार, अपराध शाखा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आतिशी को भाजपा के खिलाफ लगाए आरोपों पर सूचना देने को कहा है। इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं के बयानों से पता चलता है कि उनके पास ''संज्ञेय अपराध के संबंध में कुछ सूचना है। उन्हें नोटिस पर पांच फरवरी तक जवाब देने को कहा गया है।

इससे एक दिन पहले, अपराध शाखा के अधिकारियों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नोटिस देकर उनसे भाजपा की तरफ से 'आप' के सात विधायकों को खरीदने की कोशिश संबंधी उनके दावों की जांच में तीन दिन के भीतर जवाब देने को कहा था।

सूत्रों ने बताया कि जब नोटिस दिया गया, तो आतिशी अपने आवास पर मौजूद नहीं थीं। इससे पहले भी आज पुलिस अधिकारी मंत्री के आवास पर पहुंचे थे, लेकिन तब भी वह मौजूद नहीं थीं।

अपराध शाखा के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, टीम नोटिस देने दोबारा गई। टीम पहले सुबह उनके आवास पर गई थी, तब वह अपने आवास पर मौजूद नहीं थीं।

'आप' में सूत्रों ने बताया कि आतिशी ने अपने कार्यालय के कर्मचारियों को नोटिस लेने का निर्देश दिया।

सरकार के विकास कार्य नहीं रुकेंगे भले ही मुझे जेल भेज दिया जाए : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि भले ही उन्हें जेल भेज दिया जाए, स्कूल बनाने और लोगों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने जैसे दिल्ली सरकार के जारी विकास कार्य रुकेंगे नहीं।

केजरीवाल ने यहां किरारी में दो स्कूलों की इमारतों की आधारशिला रखने के बाद कहा, मनीष सिसोदिया को जेल में डाल दिया गया क्योंकि उन्होंने स्कूल बनवाए। सत्एंद्र जैन को जेल भेज दिया गया क्योंकि उन्होंने मोहल्ला क्लीनिक बनवाए। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी सभी केंद्रीय एजेंसियों को उनके ('आप' नेताओं के) पीछे लगा दिया गया है। केजरीवाल ने कहा, भले ही आप केजरीवाल को जेल में डाल दें, स्कूल एवं मोहल्ला क्लीनिक बनाने और दिल्ली के लोगों को मुफ्त इलाज प्रदान करने के (जारी) काम नहीं रुकेंगे। भाजपा चाहती है कि हम उनकी पार्टी में शामिल हो जाएं लेकिन हम झुकेंगे नहीं।

भाजपा का अंत आ गया है : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) में विश्वास करने वालों का हवाला देते हुए कहा कि एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आयी है कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों की 90 प्रतिशत आबादी इस बार पीडीए के लिए एकजुट होकर वोट करेगी और भाजपा के समीकरण तथा फॉर्मूले इस बार फेल हो गए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपनों से ही हारेगी।

यादव ने यह भी कहा कि भाजपा उम्मीदवारों के चयन में काफी पीछे रह गई है और उसे उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं क्योंकि कोई भी हारने के लिए लड़ना नहीं चाहता है। सपा प्रमुख यादव ने कहा- ''पीडीए में विश्वास करने वालों का सर्वे, कुल मिलाकर 90% की बात। यादव ने कहा, 49% पिछड़ों का विश्वास पीडीए में है, 16% दलितों का

विश्वास पीडीए में, 21% अल्पसंख्यकों (मुस्लिम, सिख, बौद्ध, ईसाई, जैन व अन्य आदिवासी) और 4% अगड़ों में पिछड़ों (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) का विश्वास पीडीए में (उपरोक्त सभी में आधी-आबादी मतलब महिलाएं सम्मिलित हैं)। इन 90 प्रतिशत में से अधिकांश इस बार पीडीए के लिए एकजुट होकर वोट करेंगे।

यादव ने 'पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक' के लिए 'पीडीए' शब्द गढ़ा है और आगामी लोकसभा चुनाव में सपा पीडीए पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा इसी कारण न कोई गणित बैठा पा रही है, न कोई समीकरण। इसीलिए भाजपा के पिछले सारे फॉर्मूले, इस बार फेल हो गए हैं। भाजपा उम्मीदवारों के चयन में बहुत पीछे छूट गई है। भाजपा को उम्मीदवार ही नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक कि भाजपा की मुख्य समर्थक रहीं महिलाएं भी इस बार पार्टी को वोट नहीं देंगी। सपा प्रमुख ने दावा किया, हारने के डर से भाजपा का टिकट लेकर कोई चुनाव लड़ना नहीं चाहता है। महिलाएं जो भाजपा की मुख्य समर्थक रही हैं, वे भी पहलवानों की दुर्दशा, मणिपुर की वीभत्स घटना, मां-बेटी को जलाने के कांड जैसी अन्य कई नारी अपमान की घटनाओं को लेकर शर्मिंदगी महसूस कर रही हैं और अबकी वे भी भाजपा का साथ नहीं देंगी। उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, साथ ही नौकरी या भर्ती की उम्मीद लगाए बैठे जो युवा भाजपा राज में हताश हुए हैं, वो सब भी इस बार भाजपा को हराने-हटाने के लिए ही वोट देंगे। यादव ने कहा, अपने को बुद्धिजीवी समझने वाले समाज में जो लोग तथाकथित नैतिकता व राजनीतिक ईमानदारी के नाम पर भाजपा की ओर देखते थे, वो महाराष्ट्र, बिहार, चंडीगढ़ महापौर चुनाव और झारखंड की सत्ता के लालच से भरी अनैतिक व भ्रष्ट व्यवहार की घटनाओं से न क्षुब्ध हैं बल्कि व्यथित भी हैं।

हर विधानसभा चुनाव में पहले की तुलना में अधिक नकदी जब्त की जा रही है: सीबीडीटी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने कहा है कि हर विधानसभा चुनावों के दौरान आयकर विभाग द्वारा पहले की तुलना में काफी अधिक नकदी जब्त की गई है।

उन्होंने कहा कि आयकर विभाग ऐसे मामलों के अलावा उन मामलों की भी जांच कर रहा है, जिनमें आयकर कर्मियों द्वारा छापेमारी और अन्य प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में

बेहिसाब मुद्रा और आभूषणों का पता चला है।

उन्होंने कहा, विधानसभा चुनावों के दौरान नकदी जब्त होने के संबंध में बात की जाए तो यह पाया गया है कि पांच साल पहले हुए विधानसभा चुनावों की तुलना में जब्त नकदी में काफी वृद्धि हुई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के प्रमुख ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने देखा है कि (हर विधानसभा चुनाव में) काफी बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है। ये जब्ती काफी महत्वपूर्ण हैं। निर्वाचन आयोग ने विभिन्न राज्यों के चुनाव के दौरान नकदी की जब्ती और अवैध प्रलोभन में वृद्धि के बारे में भी बात की है।

बहुमत की आड़ में देश चुनावी लोकतंत्र के बजाय 'चुनावी तानाशाही' में बदल रहा है : शशि थरूर

जयपुर/भाषा। लोकतांत्रिक संस्थाओं के क्षरण पर चिंता जताते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने रविवार को यहां कहा कि बहुमत की आड़ में देश चुनावी लोकतंत्र के बजाय 'चुनावी तानाशाही' में बदल रहा है। थरूर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय राजनीतिक परिदृश्य व्यक्ति केंद्रित हो गया है और पिछले दस वर्षों से देश ने केवल 'मैं ' और 'सिर्फ मैं' ही सुना है। उन्होंने कहा कि लेकिन अब देश को एक ऐसे वैकल्पिक नेतृत्व की जरूरत है, जो जनता जनार्दन की बात सुने, उसकी जरूरतों को समझे और उसकी समस्याओं का समधान निकाले।

पूर्व नौकरशाह, लेखक और कांग्रेस पार्टी के नेता शशि थरूर ने यहां 17वें जयपुर साहित्य महोत्सव में यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क में ग्लोबल डेवलपमेंट पॉलिटिक्स के वरिष्ठ प्रो. इंद्रजीत रॉय की पुस्तक पर आधारित सत्र 'ऑडेसियस होप : हाउ टू सेव ए डेमोक्रेसी' पर एक चर्चा में भाग लेते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता और उनके मूल ढांचे को ध्वस्त करने का भी आरोप लगाया। आगामी आम चुनाव में प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व का भाजपा को फायदा मिलने और इसके विपक्ष के लिए नुकसानदेह होने की आशंका पर तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा, हमारे यहां संसदीय प्रणाली है, जिसे राष्ट्रपति द्वारा संचालित किया जाता है और हमें इस बारे में 2014 के 'मैं नहीं, हम' नारे को याद रखना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बिना कहा,'' हमने पिछले दस साल में बहुत मैं, मैं सुना है। केवल एक व्यक्ति की बात होती रही है। थरूर ने कहा कि इसका जवाब यह है कि एक भिन्न प्रकार का नेतृत्व तैयार किया जाए, जो केवल अपना ही बखान न करे, बल्कि पूरी विनम्रता के साथ आपकी बात सुने, आपके बारे में बात करे, आपकी जरूरतों को समझे और उनका समाधान करे।

कांग्रेस आदिवासी लोगों के जल-जंगल-जमीन के लिए खड़ी है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धनबाद/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी आदिवासी लोगों के 'जल-जंगल-जमीन' और युवाओं के रोजगार के लिए खड़ी है। राहुल अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान झारखंड के धनबाद जिले में एक रोडशो को संबोधित कर रहे थे।

धनबाद के टुंडी प्रखंड में शनिवार को रात्रि विश्राम के बाद यात्रा रविवार को झारखंड में तीसरे दिन धनबाद शहर के गोविंदपुर से फिर से शुरू हुई। राहुल ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को निजी पक्षों को बेचने से बचाना और देश के नौकरीपेशा युवाओं और आदिवासियों के लिए न्याय सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी आदिवासी लोगों के जल-जंगल-जमीन के लिए खड़ी है और युवाओं की शिक्षा और रोजगार के लिए काम करती है। आर्थिक असंतुलन, नोटबंदी, जीएसटी और बेरोजगारी ने देश के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। कांग्रेस की झारखंड इकाई के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि गोविंदपुर से शुरू हुई यात्रा सराईंला, आईआईटी-आईएसएम गेट, रणधीर वर्मा चौक, रेलवे स्टेशन के समीप श्रमिक चौक से गुजरी और बैंक मोड़ पहुंची जहां राहुल गांधी ने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया।

बिहारः मरम्मत कार्य के लिए गैर-भूकंप रोधी सरकारी भवनों को चिह्नित किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार भवन निर्माण विभाग ने अधिकारियों से प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत के लिए राज्य में पुराने गैर-भूकंप रोधी सरकारी भवनों की पहचान करने को कहा है। विभाग ने राज्य भर के कार्यपालक अभियंताओं को इस संबंध में जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

बिहार भवन निर्माण विभाग द्वारा कार्यपालक अभियंताओं को जारी एक परिपत्र में कहा गया है, राज्य में सभी पुराने सरकारी बुनियादी ढांचे को मरम्मत कर भूकंप रोधी बनाने की तत्काल आवश्यकता है। ऐसी इमारतों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित करने की आवश्यकता है। इसमें कहा गया, सभी कार्यपालक अभियंताओं को अपने अधिकार क्षेत्र में ऐसी इमारतों की पहचान करने के लिए एक सर्वेक्षण करना चाहिए ताकि मरम्मत का काम जल्द से जल्द शुरू किया जा सकता है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, विभाग भूकंप की स्थिति में क्षति को रोकने के लिए राज्य में पुराने कार्यालयों और कमजोर इमारतों की मरम्मत पर काम शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

केंद्र 'राजकोषीय संघीय आतंकवाद' में लिप्त है: टीएमसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने रविवार को केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह ''राजकोषीय संघीय आतंकवाद'' में लिप्त है।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इन दावों को खारिज कर दिया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्रीय धन के लिए उपयोग प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र राज्य को निशाना बना रहा है, क्योंकि यहां भाजपा की विरोधी पार्टी की सरकार है। उन्होंने आरोप लगाया, यह राजकोषीय संघीय

आतंकवाद है...यह और कुछ नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल को निशाना बनाने का भाजपा का एक और प्रयास है, क्योंकि वे (भाजपा) राजनीतिक रूप से टीएमसी से मुकाबला करने में विफल हो रहे हैं।

टीएमसी के एक अन्य वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने दावा किया कि 2011 में राज्य में टीएमसी के सत्ता में आने के बाद उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा कराने में कोई कमी या कोताही नहीं हुई है।

उन्होंने कहा, हम 2002-03 से 2010-11 की अवधि की ज़िम्मेदारी नहीं ले सकते, जब राज्य में वाम मोर्चे की सरकार थी।

ग्रेटर नोएडा में नाबालिग लड़के ने कुत्ते के बच्चे को ऊंचाई से फेंका, प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली/भाषा। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने एक नाबालिग लड़के द्वारा कथित तौर पर ऊंचाई से एक कुत्ते के बच्चे को जानबूझकर सड़क पर फेंकने की घटना को लेकर की कई शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी देते हुए कहा कि इस घटना में कुत्ते के बच्चे की मौत हो गई। गैर लाभकारी संगठन 'पीपुल फॉर एनिमल्स' (पीएफए) के एक स्वयंसेवी द्वारा दर्ज करायी प्राथमिकी के अनुसार, तकरीबन 9-10 साल का लड़का एवेन्यू गौड़ सिटी-2 का निवासी है। प्राथमिकी में कहा गया है कि यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और इसे सोसायटी के समूहों और सोशल मीडिया पर 'रील' के तौर पर साझा किया गया।

भारत ने विश्व ग्रुप एक में जगह बनाई, पाकिस्तान को 4-0 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। भारतीय डेविस कप टीम ने युकी भांबरी और साकेत माइनेनी की आसान जीत तथा निकी पूनाचा के विजयी पदार्पण से पाकिस्तान को 4-0 से हराकर 60 साल बाद चिर प्रतिद्वंद्वी देश का ऐतिहासिक दौरा पूरा करते हुए विश्व ग्रुप एक में जगह सुनिश्चित की। युकी और साकेत ने युगल मुकाबले में जीत के साथ भारत को प्ले ऑफ में 3-0 की विजयी बढ़त दिलाई। शनिवार को

2-0 की बढ़त हासिल करने के बाद रविवार को युकी और साकेत ने मुजम्मिल मुर्तजा और अकील खान की मेजबान टीम की जोड़ी को 6-2 7-6(5) से हराकर मुकाबले में पाकिस्तान पर भारत के दबदबे को बरकरार रखा।

पाकिस्तान ने युगल मुकाबले के लिए अकील को बरकत उल्लाह की जगह उतारा क्योंकि वह करो या मरो के इस मैच में अनुभवी खिलाड़ी चाहते थे। इस मुकाबले में हार भारत की जीत तय करती। युकी और साकेत ने हालांकि मेजबान जोड़ी को कोई मौका नहीं दिया और इस मुकाबले में दोनों टीम के बीच का अंतर साफ दिखा। पाकिस्तान की जोड़ी को साकेत की सर्विस का सामना करने में काफी परेशानी हुई। उन्होंने अपनी सर्विस पर बेहद कम अंक गंवाए और नेट पर भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय खिलाड़ियों के रिटर्न भी लाजवाब रहे और युकी ने कई बार पाकिस्तान के दोनों खिलाड़ियों के बीच से विनर लगाए। फिर 28 वर्षीय पूनाचा को मोहम्मद शोएब के खिलाफ बेमानी चौथा मैच खेलने के लिए उतारा गया जिन्होंने इसमें 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। इसके बाद पांचवां मैच नहीं खेला गया। शोएब अपनी सर्विस से जूझते नजर आए लेकिन उनका बैकहैंड कमाल का था। शोएब के मजबूत पक्ष को महसूस करते हुए पूनाचा ने उन्हें बैकहैंड के लिए ज्यादा गेंद नहीं दीं और जीत हासिल की। शोएब सहज गलतियों पर भी लगाम नहीं रख सके जिससे भारतीय खिलाड़ी को काफी अंक मुफ्त में मिले। टेनिस के विश्व कप के रूप में पहचानी जाने वाली इस प्रतियोगिता में भारत की आठ मुकाबलों में पाकिस्तान के खिलाफ यह आठवीं जीत है।

आईओए सीईओ की नियुक्त पर पीछे हटने का सवाल ही नहीं, पीटी उषा ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा ने रविवार को कहा कि उन्हें नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पर पूरा भरोसा है और उन्हें शीर्ष पद पर नियुक्त करने के फैसले से पीछे नहीं हटेंगी।

इस तरह की खबरें हैं कि आईओए कार्यकारी परिषद के अधिकांश सदस्य एक निलंबन आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे जिसमें सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति को अमान्य घोषित किया जाएगा। आईओए ने एक साल बाद

और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी)के बार-बार याद दिलाने के बाद छह जनवरी को इंडियन प्रीमियर लीग टीम राजस्थान रॉयल्स के पूर्व अधिकारी अय्यर को सीईओ नियुक्त किया था। हालांकि उनकी नियुक्ति के कुछ हफ्तों के भीतर आईओए की कार्यकारी परिषद के कई सदस्यों ने आरोप लगाया कि महान खिलाड़ी उषा ने सीईओ के रूप में अय्यर की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए उन पर 'दबाव डाला' था। उषा ने इस आरोप को 'शर्मनाक' बताया। कार्यकारी परिषद के 15 में से लगभग 12 सदस्यों ने तब कहा था कि अय्यर की नियुक्ति को शीर्ष संस्था ने मंजूरी नहीं दी थी। यह पूछे जाने पर कि क्या आईओए अध्यक्ष बनने के बाद से वह समस्याओं से घिरी हुई लगती हैं, उषा ने कहा, हर बार। इसे हल करना पड़ता है। जब आप गलत काम करते हैं, तो आपको डरना पड़ता है। जब आप सही और उचित काम कर रहे होते हैं तो फिर इस पर चिंता क्यों।

सुविचार

संगठन के बिना संसार में कोई भी महान एवं स्थाई कार्य नहीं किया जा सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आपदा से सबक लें

बहुत समय नहीं हुआ जब मानसून में भारी वर्षा व भूस्खलन के चलते हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भागों में जन-धन की व्यापक क्षति हुई थी। ढहती मंजिलें और दरकते पहाड़ पूरे देश को भयाक्रांत कर रहे थे। कहीं न कहीं संवेदनशील हिमालयी पहाड़ आबादी के बोझ और अनियोजित निर्माण का दबाव सहन नहीं कर पा रहे हैं। हिमाचल जैसी स्थितियों से उत्तराखंड के कई शहर भी जूझ रहे हैं। जोशीमठ का धंसना इस कड़ी का विस्तार ही है। मानसून के दौरान हिमाचल की राजधानी व अन्य शहरों में अतिवृष्टि से हुई व्यापक क्षति के बाबत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का आकलन इस दिशा में व्यापक अवलोकन की जरूरत बताता है। ताकि नियमित निगरानी के साथ मानकों के पालन को सुनिश्चित किया जा सके।

प्राधिकरण की रिपोर्ट पिछले मानसून में हुई व्यापक क्षति के कारणों और ऐसी स्थिति से बचने के उपायों पर प्रकाश डालती है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि राज्य सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निष्कर्षों और सिफारिशों पर गंभीरता पूर्वक विचार करे। निश्चित रूप से इन घटनाओं से सबक लेने और चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज न करने की जरूरत है। साथ ही जरूरी है कि जनमानस के अवचेतन में उन विनाशकारी घटनाओं के कारणों से बचने की चेतना विद्यमान रहे। निश्चित रूप से तेजी से होता शहरीकरण पहाड़ी राज्यों की बड़ी चुनौती है। भूमि का गलत उपयोग और ग्रामीण इलाकों में भवन निर्माण मानदंडों की अनदेखी घरों की सुरक्षा के लिये गंभीर चुनौती पैदा कर रही है। दरअसल, संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिकी में अनियोजित विकास पर्यावरणीय संकट के साथ ढांचागत चुनौतियां भी पैदा कर रहा है। कहीं शासन-प्रशासन की नियमित निगरानी के अभाव में भवन निर्माण के सुरक्षित मानकों की अनदेखी की जा रही है। जिसके चलते आपदा के जोखिमों में वृद्धि ही हुई है। स्थानीय निकायों के स्तर पर जिस जिम्मेदार व्यवहार का पालन किया जाना चाहिए, वह भी नदारद है। राजनीतिक हस्तक्षेप व निहित स्वार्थों के चलते भवन निर्माण से जुड़े कानून ताक पर रख दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हालिया अध्ययन में बार-बार कहा गया है कि नियमों के कड़ाई से पालन और निर्माण कार्यों के नियमित ऑडिट का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। निस्संदेह, पर्यावरण व भवन निर्माण से जुड़े विशेषज्ञ बार-बार इन्हीं मुद्दों की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। लेकिन सत्ताधीश इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आते। दरअसल, शहरों की योजना सीमा के बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में खड़ी ढलानों पर अनधिकृत संरचनाएं और निर्माण मानदंडों की अनदेखी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जन-धन की सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती पैदा करती है। वास्तव में, पहाड़ी इलाकों में भवन निर्माण से जुड़े नियमों-उपनियमों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है। साथ ही प्राकृतिक जल निकासी प्रणालियों को अवरुद्ध करने वाले कारकों पर रोक लगाने की सख्त जरूरत है। जो अतिवृष्टि की दशा में जानलेवा संकट पैदा कर देते हैं। जरूरत इस बात की भी है कि पहाड़ों की प्रकृति के अनुरूप भवन निर्माण शैली को प्रोत्साहन दिया जाए। खासकर भवन निर्माण की उस परंपरागत शैली को, जिसमें लकड़ी और मिट्टी का उपयोग होता रहा है, जो दीवारों में लचीलापन पैदा करती है। निस्संदेह, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि शहरीकरण और पर्यटन की पहाड़ी राज्यों की आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लेकिन कहीं न कहीं ये सब नीतिगत बदलावों के मार्ग में बाधक भी बनते हैं। बहरहाल, इस दिशा में चाहे कितनी बाधाएं हों, हिमाचल प्रदेश यथास्थिति के विकल्प को नहीं चुन सकता। पहाड़ी परिवेश की संवेदनशीलता के मद्देनजर जन-धन की हानि को टालने के लिये इस दिशा में नियमति निगरानी अपरिहार्य ही है। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के मद्देनजर बारिश के ट्रेंड में आए बदलाव से इसकी तीव्रता बढ़ी है।

ट्वीटर टॉक

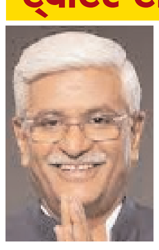

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के साथ आज पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह के निवास जाकर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चित्रा सिंह के स्वर्गवास पर शोक व्यक्त किया। शोकाकुल परिवार का ढाढ़स बँधाया। हम सभी मानवेंद्र जी के कुटुंब की इस कठिन घड़ी में उनके साथ हैं।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

चार दिवसीय 12वें इंडिया स्टोनमार्ट 2024 के सफलतम समापन समारोह में सम्मिलित हुआ और सभी को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। हम सभी राजस्थान में खनिज पत्थर एवं इससे संबंधित उद्योगों व उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित हैं।

–राज्यवर्धन सिंह राठौड़

आज जयपुर में वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार की संयुक्त पहल के अंतर्गत कुंडा शिल्पग्राम का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह देश-प्रदेश के शिल्पकारों व कामगारों की हस्त शिल्प कला को सम्मान देने का मंच है।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

दूध का कर्ज

न्यायवादी गुरुदास वंदोपाध्याय ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की प्रशंसनीय पहल की थी। वे जीवन भर निष्ठापूर्वक महिला सशक्तीकरण के काम में जुटे रहे। दरअसल, बालक गुरुदास जब छह महीने के थे, तभी उनकी माता का स्वर्गवास हो गया था। बाद में एक दाई ने गुरुदास को अपना दूध पिलाकर पाला था। बड़े होकर इन्होंने न्याय-कर्ता के रूप में नाम कमाया। एक बार न्यायाधीश सर गुरुदास वंदोपाध्याय कलकत्ता हाईकोर्ट की अदालत में एक मुकदमे की सुनवाई कर रहे थे कि सहसा उनकी नजर न्यायालय के दरवाजे पर टिक गई। उन्होंने देखा कि एक बुढ़िया गंगास्नान करके लौटती हुई अपने भीगे वस्त्रों में ही कक्ष के भीतर घुसने का प्रयास कर रही थी और अदालत का चपरासी उसे अंदर आने से रोक रहा था। उस दृश्य को देखते एकाएक न्यायाधीश की स्मृति में कोई विचार कौंधा। उसने बुढ़िया को पहचान लिया। बचपन में वह गुरुदास की धाय मां रह चुकी थी। उन्होंने फौरन मुकदमा बीच में ही रोक दिया और वे तत्क्षण कुर्सी छोड़कर स्वयं दरवाजे पर जा पहुंचे।

सामयिक

देश को तोड़ने की मांग करने वाले कौन?

आर.के. सिन्हा

निस्संदेह बजट प्रस्तावों की तीखी आलोचना करने में कोई बुराई भी नहीं है। आप देश के सामान्य नागरिक हों या फिर सांसद,आपको केन्द्रीय बजट पर अपनी बेबाक राय रखने का पूरा हक है। पर इस बात को देश का कोई नागरिक कैसे स्वीकार कर सकता है कि कोई इंसान सिर्फ इसलिए ही अलग देश बनाने की मांग करने लगे, क्योंकि उसे बजट प्रस्ताव पसंद नहीं आए। यह पूर्णतः अस्वीकार्य है।

कांग्रेस सांसद डी. के. सुरेश ने यही किया। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए अंतरिम बजट पर सुरेश ने 'दक्षिण भारत के लिए अलग देश' बनाने की ही मांग कर डाली। धिक्कार है ऐसे सांसद का! अपमान है भारतीय संविधान का जिसकी शपथ लेकर वे चुने गये और पुनः संसद में वही शपथ लेकर बैठे। उन्होंने कहा है कि अगर विभिन्न करों से एकत्रित धनराशि के वितरण के मामले में दक्षिणी राज्यों के साथ हो रहे 'अन्याय' को ठीक नहीं किया गया तो दक्षिणी राज्य एक अलग राष्ट्र की मांग करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। लेकिन, उन्होंने यह बताने से परहेज़ किया कि अन्याय क्या हो रहा है? केंद्रीय करों से एकत्रित राशि के बँटवारे का एक सर्वसम्मति से तैयार एक नियम होता है जो केंद्र सरकार और राज्य सरकारें मिलकर तय करती हैं और उसी तय नियम के अनुसार करों से प्राप्त धनराशि का बँटवारा होता है। शायद, कांग्रेस के विद्वान सांसद को यह जानकारी नहीं होगी।

यह बेहद गंभीर मामला है। भारत को फिर से तोड़ने के बारे में कोई सोचने का भी दुस्साहस भी कैसे कर सकता है। सुरेश बजट प्रस्तावों की जितनी चाहते आलोचना कर सकते थे। उसे सुना जाता। उस पर एक्शन भी लिया जाता यदि उनकी मांगें वाजिब होती। पर वे तो सीमाएं ही लांघ गए। वे कह रहे हैं कि भारत के दक्षिणी राज्यों से एकत्रित टैक्स की धनराशि को उत्तर भारत में वितरित किया जा रहा है और दक्षिण भारत को उसका उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। कायदे से कांग्रेस आला कमान को सुरेश के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए थी, पर यह नहीं हुआ। कांग्रेस का इतिहास 'फूट डालो और राज करो' का सदा से ही रहा है। उनके सांसद फिर वही चाल चल रहे हैं। वो उत्तर और दक्षिण को बांटना चाहते हैं।

आपको याद होगा कि असम और तमाम पूर्वोत्तर प्रदेशों को देश से तोड़कर अलग करने का आहवान जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के छात्र शरजील इमाम ने भी किया था। वह तब से जेल में बंद है। देश जान ले कि यहां शरजील इमाम जैसे कई और भी तत्व पाए जाते हैं। ये सब के सब आस्तीन के सांप हैं। देश को तोड़ने की चाहत रखने वालों के खिलाफ पूरे देश को कमर कस कर लामबंद होना होगा और इन आस्तीन के सांपों को पकड़-पकड़ कर पूरी तरह से कुचलना होगा।

अखंड भारत की अवधारणा को चरम पर पहुंचाने वाले सम्राट चंद्रगुप्त और अशोक की धरती बिहार की किस्मत में अब कैसे-कैसे गद्दार पलने लगे हैं। शरजील इमाम पटना पास के ही जहानाबाद का ही रहनेवाला है। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और राष्ट्रकवि दिनकर की धरती शरजील इमाम जैसे गद्दारों को कैसे जन्म देने लगी? शरजील इमाम जैसे देश द्रोहियों के कारण महात्मा गांधी की आत्मा भी दुखी अवश्य होगी। करमचन्द गांधी को महात्मा गांधी बिहार की धरती चंपारण आंदोलन से ही बनाया था।

खैर, देश को कांग्रेस सांसद सुरेश से यह पूछने का हक है कि उन्होंने भारत को बांटने संबंधी बयान क्यों दिया? सुरेश कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के छोटे भाई हैं। वह कर्नाटक की बेंगलूरु ग्रामीण सीट से सांसद हैं। कर्नाटक से वही कांग्रेस के इकलौते सांसद हैं। उनके जैसे गैर-जिम्मेदार नेताओं के कारण ही कर्नाटक जैसे प्रगतिशील राज्य में समय-समय पर भारत विरोधी ताकतें सक्रिय होने लगती हैं। आपको याद होगा कि भारत की आईटी राजधानी बेंगलूरु में 2020 में एक छोटी सी बात को लेकर बहुत बड़ी सांप्रदायिक हिंसा की घटना हो गई थी। सबसे अहम बात यह है कि सारी दुनिया में उस हिंसा को लेकर बेहद गलत संदेश गया। बेगलूरु जैसे आधुनिक महानगर में उपद्रवियों ने जगह-जगह गाड़ियों को आग लगाई थी और एटीएम तक में तोड़फोड़ की थी। दरअसल बेंगलूरु में एक विधायक के एक कथित रिश्तेदार ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ अपमानजनक पोस्ट किया था, जिसकी प्रतिक्रिया में ही सुनियोजित हिंसा हुई थी। बेंगलूरु की उस घटना से साफ हो गया था कि देश में धार्मिक कठमुल्लापन ने बहुत गंभीर रूप ले लिया है। अपने को कट्टर मुसलमान कहने वाले बात-बात पर सड़कों पर उतरने को तैयार रहते हैं। ये अपने मजहब के नाम पर कट्टरता फैला रहे हैं। इससे जाहिलपन बढ़ता जा रहा है। बेंगलूरु में कठमुल्लों ने ईश निंदा के नाम पर गरीब बस्तियों में मुसलमानों को उकसाया- भड़काया। नतीजा यह हुआ कि उन्मादी भीड़ ने जमकर तोड़फोड़ की। घंटों यह हिंसक उन्माद चला।

कर्नाटक में हिंदी का भी सियासत के नाम पर अकारण विरोध होने लगा है। वहां पर कुछ समय पहले हिंदी का विरोध करते हुए बेंगलूरु मेट्रो के दो स्टेशनों पर हिंदी में लिखे गए नामों पर कालिख पोती गई थीं। यह काम कर्नाटक रक्षणा वेदिके (केआरवी) नामक संगठन ने किया था। केआरवी ने ही बेंगलूरु मेट्रो से उसके सभी स्टेशनों से हिंदी साइन बोर्ड को हटा देने की मांग की थी। संगठन ने हिंदी की घोषणाओं को भी बंद कर देने की मांग रखी थी। अपनी मांग के समर्थन में उसका तर्क था कि केरल और महाराष्ट्र की मेट्रो ट्रेनों में हिंदी भाषा का इस्तेमाल नहीं होता तो बेंगलूरु मेट्रो ऐसा क्यों कर रहा है। उसकी इस मांग का कर्नाटक के कुछ राजनीतिक दल भी समर्थन कर रहे थे। बेंगलूरु मेट्रो केंद्र और कर्नाटक सरकार की संयुक्त परियोजना है। इसके चलते उस पर केंद्र सरकार का 'त्रिभाषा सूत्र' अपने आप लागू हो जाता है। इसके तहत कन्नड़, हिंदी और अंग्रेजी में सूचनाएं लिखने और प्रकाशित करना जरूरी है। कर्नाटक में हिंदी का विरोध तब सही माना जा सकता था यदि वहां कन्नड़ की अनदेखी हो रही होती। कर्नाटक में कन्नड़ भाषा के साथ भेदभाव तो हो नहीं रहा है। दरअसल राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया हिंदी विरोध का प्रत्यक्ष और परोक्ष समर्थन करके कन्नड़-भाषियों की पहचान की लड़ाई को हवा देने का खतरनाक खेल खेलते रहे हैं। अब कांग्रेस के सांसद डी.के. सुरेश ने भारत को तोड़ने जैसा बेहद गंभीर बयान दिया तो भी सिद्दरामैया चुप हैं।

– लेखक पूर्व सांसद हैं।

चिंतन

अपने ही बुने जाल में फंसते जा रहे हैं केजरीवाल

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

अन्ना आंदोलन के दौरान केजरीवाल कांग्रेस के भ्रष्टाचार को भारी जोर शोर से उठाते थे और यह कहते नहीं थकते थे कि सोनिया गांधी सहित कांग्रेस के नेताओं ने देश को लूटा है, इसलिए उनकी जगह जेल में होनी चाहिए। मगर शासन में आते ही केजरीवाल प्रधान मंत्री मोदी पर आरोप लगाने से नहीं चूके और कांग्रेस से हाथ मिलाने में कोई गुरेज नहीं किया।

जन आंदोलन की उपज आम आदमी पार्टी और उसके मुखिया, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल लगता है अपने ही बुने जाल में फंसते जा रहे है। लगातार विवादित भाषण उनके गले की फांस बन गए है। ताज़ा मामला दिल्ली के विधायकों के खरीद फरोख्त से जुड़ा है। केजरीवाल और उनकी एक मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया था भाजपा उनके विधायकों को 25-25 करोड़ रूपये का लालच देकर तोड़ने में लगी है। भाजपा ने इसे गलत बताकर पुलिस में शिकायत की तो दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी के सात विधायकों की भाजपा द्वारा खरीद-फरोख्त का प्रयास किये जाने के उनके आरोपों पर तीन दिनों के अंदर केजरीवाल और आतिशी से जवाब मांगा है। दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बार-बार भेजे जा रहे समन और उसे अनदेखा करना दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ा सकता है। ईडी ने शनिवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ईडी ने दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अरविंद केजरीवाल को पांच बार समन जारी किए हैं लेकिन वो एक बार भी ईडी के सामने पेश नहीं हुए हैं। केजरीवाल को यह डर सत्ता रहा है की झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तरह उन्हें भी जेल जाना पड़ सकता है। उनके दो नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह पहले से ही जेल में बंद है।

दिल्ली की जनता ने केजरीवाल की पार्टी को बहुमत से सिंहासन पर बैठाया है। इसे भी मान लेने में कोई गुरेज नहीं है कि केजरीवाल को राज चलाना नहीं आता। यही कारण है उसके निकटस्थ साथी एक एक कर उसका साथ छोड़ गए। अन्ना आंदोलन के दौरान केजरीवाल कांग्रेस के भ्रष्टाचार को भारी जोर शोर से उठाते थे और यह कहते नहीं थकते थे कि सोनिया गांधी सहित कांग्रेस के नेताओं ने देश को लूटा है, इसलिए उनकी जगह जेल में होनी चाहिए। मगर शासन में आते ही केजरीवाल प्रधान मंत्री मोदी पर आरोप लगाने से नहीं चूके और कांग्रेस से हाथ मिलाने में कोई गुरेज नहीं किया। भाजपा भी विधानसभा चुनाव में अपनी हार को नहीं पचा पारही है और केजरीवाल को बक्सने के मूढ़ में नहीं है। मगर इस बार केजरीवाल और उसकी पार्टी को भ्रष्टाचार के मामले का सामना करना पड़ रहा है और उससे बचने के लिए तरह तरह के उपाय सोचे जा रहे है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव से पूर्व भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ दी है। मोदी के निशाने पर वे सभी नेता है जो किसी न किसी घोटाले में फंसे है। हालाँकि विपक्ष का आरोप है की भाजपा में शामिल होने वाले कथित भ्रष्टाचारियों को बक्श दिया गया है। सियासी दंगल में केजरीवाल को कट्टर ईमानदार और कट्टर बेईमान की संज्ञा से विभूषित किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी जहाँ अपने नेता को कट्टर ईमानदार बता रही है वहां भाजपा कट्टर बेईमान बता रही है। केजरीवाल समन को राजनीति से प्रेरित बता रहे हैं और केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव की तैयारी से पहले गिरफ्तार करने की साजिश की जा रही है ताकि मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार न कर सकें। इसके अलावा राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, तेजस्वी यादव, संजय राउत, अभिषेक बनर्जी, जंयत पाटिल, राघव चड्ढा, पी चिदंबरम, डीके शिवकुमार आदि पर भी ईडी की जाँच की तलवार लटक रही है।

गौरतलब है विपक्ष ईडी पर पक्षपात करने का आरोप लगाते रहते है। विपक्षी नेताओं ने ईडी को बीजेपी की कठपुतली कहा है। इन आरोपों पर स्वतंत्र समीक्षक कहते हैं कि अगर एजेंसी कार्रवाई करती है तो इसका मतलब शुरुआती जांच के आधार पर उनके पास कुछ न कुछ सबूत है। अगर किसी को भी ईडी की कार्रवाई गलत लगती है तो अदालत जाकर अपनी बात रखने का विकल्प है। वहां अपना पक्ष रख सकते हैं। विपक्ष कह रहा है सत्तारूढ़ पार्टी देश की संवैधानिक संस्थाओं को नष्ट भ्रष्ट कर रही है तो सत्तारूढ़ पार्टी का कहना है जिन लोगों ने देश को लूटा है वे सारे अपनी जान बचाने के लिए एक होने का नाटक कर रहे है ताकि उनके खिलाफ कोई स्वतंत्र जाँच न हो।

मंथन

आगामी कुछ माह में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की संभावना

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

आने वाले महीनों में मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार ताबड़तोड़ गर्मी होने वाली है उनके अनुसार यह प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी तथा अप्राकृतिक दोहन के फल स्वरुप होने वाला है॥ जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने, महानगर बने, मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली, पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए। महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम, थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है- जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना, पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे। विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर पाबंदी का क्या होगा असर?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के एक स्कूल शिक्षक के बेटे विजय शेखर शर्मा इस बात से प्रभावित हुए कि जैक मा का अलीबाबा समूह डेस्कटॉप कंप्यूटर के बजाय स्मार्टफोन पर अधिक ध्यान दे रहा था। आगे चलकर उन्होंने एक डिजिटल भुगतान कंपनी बनाई, जो भारतीयों को अपने मोबाइल फोन से सब्जी या सिनेमा टिकट खरीदने या बिजली, पानी के बिलों का भुगतान करने का विकल्प देती थी। इसके बाद उन्होंने एक मोबाइल मार्केटप्लेस बनाने की योजना बनाई, जहां माचिस से लेकर आईफोन तक हर तरह का सामान ऑनलाइन खरीदा-बेचा जा सकता था।

हालांकि, अब वह अपने कारोबारी जीवन के सबसे बड़े संकट का सामना कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को निर्देश दिया है कि वह अपने ज्यादातर कारोबार को रोक दे। ऐसे में कंपनी अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। क्या है पेटीएम पेमेंट्स बैंक का संकट क्या?

आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड साधन, वॉलेट एवं फास्टैग में 29 फरवरी, 2024 के बाद जमा या टॉप-अप स्वीकार नहीं करने का निर्देश दिया है। आरबीआई ने इसके पहले 11 मार्च, 2022 को पीपीबीएल को तत्काल प्रभाव से नए ग्राहकों को जोड़ने से रोक दिया था। पेटीएम वॉलेट के ग्राहक तबतक इसका उपयोग कर सकते हैं, जबतक कि उनकी शेष राशि खत्म न हो जाए। वे 29 फरवरी के बाद इसमें राशि नहीं जोड़ सकेंगे। यदि आरबीआई नरम नहीं पड़ा, तो पेटीएम वॉलेट के लिए टॉप-अप बंद हो जाएगा और इसके माध्यम से लेनदेन नहीं किया जा सकेगा। पेटीएम पेमेंट्स बैंक का मालिक कौन है?

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) की सहयोगी इकाई है। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पीपीबीएल की चुकता शेयर पूंजी (सीधे और अपनी सहायक कंपनी के माध्यम से) का 49 प्रतिशत हिस्सा है। बैंक में विजय शेखर शर्मा की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

पेटीएम वॉलेट उपयोगकर्ता 29 फरवरी तक लेनदेन जारी रख सकते हैं। हालांकि, 29 फरवरी के बाद वे अपनी मौजूदा शेष राशि का इस्तेमाल तबतक कर सकेंगे, जब तक कि यह खत्म न हो जाए। ग्राहक 29 फरवरी के बाद वॉलेट में कोई पैसा नहीं जोड़ पाएंगे। इस समय 20 से अधिक बैंक और गैर-बैंकिंग संस्थाएं वॉलेट सेवा देती हैं। इनमें मोबिक्विक, फोनपे, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, अमेजन पे प्रमुख हैं। इसी तरह एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, आईडीएफसी, एयरटेल पेमेंट्स बैंक जैसे 37 बैंक फास्टैग सेवा देते हैं। ग्राहक अपने बैंक के मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग या गूगल पे और फोनपे जैसे तीसरे पक्ष के ऐप से फास्टैग को रिचार्ज कर सकते हैं।

नामीबिया के राष्ट्रपति का इलाज के दौरान निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरारे। नामीबिया के राष्ट्रपति हेज गेनगॉब का एक स्थानीय अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार को निधन हो गया। उनके कार्यालय ने यह घोषणा की। वह 82 वर्ष के थे। अफ्रीका के सबसे स्थिर लोकतांत्रिक देशों में से एक नामीबिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि लेडी पोहाम्बा हॉस्पिटल में गेनगॉब के चिकित्सा दल ने उन्हें बचाने का पूरा प्रयास किया लेकिन उनका निधन हो गया। अस्पताल में उनकी पत्नी मोनिका गेनगॉब और उनकी संतान भी मौजूद थे।

नामीबिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति एंगोलो मुम्बा ने शांति का आह्वान करते हुए कहा कि इस संबंध में आवश्यक राजकीय व्यवस्था करने के लिए तत्काल मंत्रिमंडल की बैठक बुलायी जाएगी। उनके कार्यालय ने पिछले महीने बताया था कि गेनगॉब का कैंसर का इलाज चल रहा था। उनकी आठ जनवरी को कोलोनोस्कोपी और गैस्ट्रोस्कोपी हुई थी और उसके बाद उनकी बायोप्सी हुई थी।

उनके कार्यालय के अनुसार, वह अमेरिका में कैंसर का इलाज कराने के बाद 31 जनवरी को स्वदेश लौटे थे। 2014 में उन्होंने प्रोस्टेट कैंसर से जंग जीतने के बारे में बताया था। गेनगॉब इस अफ्रीकी राष्ट्र के 2015 से राष्ट्रपति थे और उनका दूसरा तथा अंतिम कार्यकाल इस साल खत्म होना था। वह 1990 में नामीबिया के स्वतंत्रता हासिल करने के बाद से देश के तीसरे राष्ट्रपति बने थे। रंगभेद विरोधी कार्यकर्ता के तौर पर करीब तीन दशक तक पड़ोसी देश बोत्सवाना और अमेरिका में निर्वासन में रहने के बाद गेनगॉब देश में लौटे और 1990 से 2002 तक नामीबिया के पहले प्रधानमंत्री रहे। वह 2008 से 2012 तक भी प्रधानमंत्री पद पर रहे। मृदु भाषी लेकिन अफ्रीका के एजेंडे का पुरजोर समर्थन करने वाले गेनगॉब का अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों से करीब संबंध रहा।

शुभारंभ

हैदराबाद में रविवार को माधापुर में क्रिटुंगा रेस्तरां की 60वीं शाखा के शुभारंभ पर अभिनेत्री वर्षा, कुशिता कल्लपु, राशि सिंह, प्रियंका चौधरी और अन्य।

आनंद

हैदराबाद में क्रीम स्टोन्स के संचालन प्रबंधक फ्रैंकलिन जोसेफ रविवार को कोंडापुर में क्रीमस्टोन आइसक्रीम का आनंद लेते हुए।

अयोध्या के एक और 'श्री राम' वर्ष 1900 से कर रहे हैं गरीबों की सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। सदियों से अयोध्या के लोग भगवान राम से अपनी भलाई के लिए प्रार्थना करते रहे हैं, लेकिन शहर में एक और 'श्री राम' भी हैं जो 120 से अधिक वर्षों से गरीबों और बीमारों को राहत और सहायता प्रदान करते आ रहे हैं और उनके जख्मों का उपचार करते हैं। ऐतिहासिक विरासत को समेटे श्री राम अस्पताल का भवन शहर के केंद्र में राम पथ से जुड़े व नवनिर्मित भव्य राम मंदिर से एक किलोमीटर से भी कम की दूरी पर स्थित है। इमारत के मुख्य ब्लॉक में एक दीवार पर लगी पुरानी संगमरमर की पट्टिका पर एक शिलालेख है, जिस पर लिखा है – माननीय राय श्री राम बहादुर द्वारा अयोध्या के गरीबों के लिए निर्मित यह अस्पताल पांच नवंबर 1900 को शुरू किया गया था तब इसकी आधारशिला फैजाबाद मंडल के आयुक्त आईसीएस श्री जे हूपर द्वारा रखी गई थी।

शिलालेख में लिखा है कि इसे 12 अप्रैल 1902 को आगरा और अवध के संयुक्त प्रांत के लेफ्टिनेंट गवर्नर एचएच सर जेम्स डिग्स

लाटूश, केसीएसआई ने सार्वजनिक उपयोग के लिए खोला था। एक अन्य पट्टिका पर हिंदी और उर्दू में वही शिलालेख अंकित है।

अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी यश प्रकाश सिंह ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यह अस्पताल क्योंकि अयोध्या में और राम जन्मभूमि स्थल के निकट स्थित है इसलिए बहुत बड़ी संख्या में लोग सोचते हैं कि इसका नाम प्रभु श्री राम के नाम पर रखा गया है। इसके संस्थापक श्री राम एक परोपकारी व्यक्ति थे, जिन्होंने इस अस्पताल की स्थापना की थी। अस्पताल में अयोध्या और फैजाबाद के साथ-साथ गोंडा और बस्ती जिलों से भी मरीज आते हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन है और इलाज मुफ्त है। कई लोग यह भी सोचते हैं कि यह एक निजी अस्पताल है।

अस्पताल को अब आधिकारिक तौर पर राजकीय श्री राम अस्पताल कहा जाता है। अपनी स्थापना के बाद से अस्पताल ने गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा की है और राम मंदिर के निर्माण के साथ बदली अयोध्या की रंगत के बाद यह भी नए जोश के साथ चिकित्सा सेवा के जरूरतमंद श्रद्धालुओं की सेवा कर रहा है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को हुआ और आम जनता के लिए इसके कपाट 23 जनवरी को खोल दिए गए। तब से अब तक लाखों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। सिंह ने कहा, उद्घाटन के पहले दिन एक भक्त जो बेहोश हो गया था। उसे एम्बुलेंस में हमारे अस्पताल में लाया गया और उसे चिकित्सा सहायता दी गई, अन्य श्रद्धालु जिन्हें सांस लेने में समस्या की शिकायत थी, या जो भीड़ में घायल हो गए थे, उनकी भी देखभाल की गई।

अस्पताल राम मंदिर परिसर की ओर जाने वाले मुख्य सजावटी प्रवेश द्वार से पैदल दूरी पर स्थित है। 120 बिस्तरों वाले श्री राम अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी ने कहा, पहले अस्पताल की पुरानी इमारत का रंग गुलाबी था। लेकिन राम पथ के किनारे की इमारतों के समान स्वरूप के अनुरूप इसका रंग हाल में बदलकर पीला कर दिया गया।

'छत्रपति शिवाजी' के किरदार में नजर आएंगे शाहिद कपूर

मुंबई/एजेन्सी

शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करने को तैयार है। ऐसे में शाहिद कपूर को लेकर खबरें आ रही है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म लाने की योजना भी शुरू कर दी है। इस बार वह अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी 2 (जचत्र 2) के डायरेक्टर रहे अमित राय के साथ काम करने जा रहे हैं। छत्रपति शिवाजी बनेंगे शाहिद कपूर

रिपोर्ट के मुताबिक शाहिद कपूर छत्रपति शिवाजी महाराज पर आधारित एक ऐतिहासिक फिल्म के लिए फिल्म ओएमजी 2 के डायरेक्टर अमित राय से बातचीत

कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण अश्विन वर्दे अपने बैनर वकाओ फिल्म्स के जरिए करेंगे। यह पहली बार होगा जब शाहिद कपूर को छत्रपति शिवाजी महाराज के रोल में फैंस पहली बार देखेंगे। साथ ही शाहिद कपूर को भी लगता है कि इस फिल्म का निर्देशन करने के लिए अमित राय एकदम परफेक्ट हैं। शाहिद कपूर की एक और फिल्म आ रही 'देवा' अमित राय की छत्रपति शिवाजी फिल्म उनके जीवन के सबसे बहादुर अध्यायों को दुनिया के सामने लेकर आएगी। फिल्म के प्री-प्रॉक्शन की तैयारियां जल्द शुरू कर दी जाएंगी। शाहिद कपूर की गिनती बॉलीवुड के बड़े सितारों में होती है। शाहित ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में देकर खुद को साबित किया है। इस समय एक्टर डायरेक्टर रोशन एंड्रयूज के साथ अपनी एक और फिल्म 'देवा' की शूटिंग कर रहे हैं।

अगस्त में शुरू हो सकती है डॉन 3 की शूटिंग!

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म डॉन 3 की शूटिंग अगस्त में शुरू हो सकती है। बॉलीवुड फिल्मकार फरहान अख्तर ने वर्ष 2023 में डॉन की तीसरी किस्त की अनाउंसमेंट की थी। साथ ही साथ फरहान अख्तर ने नए डॉन के चेहरे की झलक भी दिखाई थी।

फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म 'डॉन 3' को लेकर एक नया अपडेट सामने आ रहा है। कहा जा रहा है कि फिल्म 'डॉन 3' का प्री-प्रोडक्शन अगले महीने मार्च से शुरू होने वाला है।'डॉन 3' फिलहाल कास्टिंग स्टेज पर है।वहीं 'डॉन 3' का शूटिंग शेड्यूल इस साल अगस्त महीने से शुरू होगा। इससे पूर्व डॉन फ्रेंचाइजी की दोनो फिल्मों में शाहरूख खान ने मुख्य भूमिका निभायी थी।

'रूम में टोपी, रोड पर तिलक' की सेक्युलर सियासी सूत्रधार है कांग्रेस : नकवी

प्रयागराज। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को यहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि रूम में टोपी, रोड पर तिलक की सेक्युलर सियासी सूत्रधार कांग्रेस अब ना घर की रही और ना घाट की। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस का जनता ही नहीं बल्कि उसके साथी भी साथ छोड़कर रफूचक्कर हो रहे हैं। नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 वर्षों में तुष्टीकरण के छल को समावेशी सशक्तिकरण के बल से छूमंतर कर राजनीतिक संकल्प, सोच और संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन किया है। नकवी ने कहा कि आज मोदी के परिश्रम और तपस्या की ताकत ने उन्हें ग्राउंड जीरो का ग्लोबल हीरो बनाया है। हालांकि, कुछ सामंती सूरमा भारत की बढ़ती धाक-धमक को धूमिल करने की धूर्ततापूर्ण कोशिश में लगे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को धनबाद में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान कोयला खदान श्रमिकों को संबोधित करते हुए।

अदा शर्मा 'सनफ्लावर 2' में आएंगी नजर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अदा शर्मा 'सनफ्लावर' के दूसरे सीजन में एक करिश्माई बार डांसर की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने अपनी 'डरावनी' भूमिका के बारे में खुलकर बात की। विकास बहल द्वारा निर्मित और नवीन गुजराल द्वारा निर्देशित इस शो में सुनील ग्रोवर मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ आशीष विद्यार्थी, रणवीर शौरी, मुकुल चड्ढा और गिरीश कुलकर्णी भी प्रमुख भूमिका में हैं। कहानी में एक रोमांचक मोड़ जोड़ते हुए, दूसरे सीजन में अदा को एक बार डांसर के रूप में पेश किया गया है, और उनकी एंट्री शो में एक नई गतिशीलता जोड़ने का वादा करती है।अपनी भूमिका रोजी के बारे में बात करते हुए अदा ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुझे अभी तक अपने किरदार के पेशे के बारे में कुछ भी बताने की अनुमति है या नहीं। यह रहस्य को दूर कर सकता है। लेकिन, मैं एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभा रही हूं जो दुष्ट है, फिर भी प्यारा है, वह डरावनी भी है। भूमिका की तैयारी के लिए मैंने सिलसिलेवार हत्यारों और मनोरोगियों पर बहुत सारी वृत्तचित्र भी देखें। यह भूमिका निश्चित रूप से शालिनी से बहुत अलग होगी। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि निर्माता मुझे विभिन्न भूमिकाओं में देख रहे हैं। एक अभिनेत्री के रूप में मैंने 'रोजी' का किरदार पढ़ा और मैं बहुत उत्साहित थी कि विकास बहल और चैताली ने एक ऐसी लड़की के लिए किरदार लिखा है।

नेटफ्लिक्स पर होगा 'गुंटूर कारम' का प्रदर्शन

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की फिल्म 'गुंटूर कारम' ने ताबड़तोड़ कमाई की है। रिलीज के साथ ही ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर छा गई थी। देश में ही नहीं विदेशों में भी मूवी ने तगड़ा कलेक्शन किया है। अब महेश बाबू के फैंस का इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि 'गुंटूर कारम' डिजिटल रिलीज होने के लिए तैयार है। जानिए महेश बाबू की फिल्म कब और किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देने वाली है।

अगर आप किसी वजह से सिनेमाघर जाकर महेश बाबू की फिल्म 'गुंटूर कारम' को नहीं देख पाए हैं तो अब आप इस मूवी का अपने घर पर ही लुत्फ उठा सकते हैं। ये फिल्म अगले कुछ दिनों में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो जाएगी। नेटफ्लिक्स इंडिया के ऑफिशियल इंस्टा हैंडल पर इसकी जानकारी दी गई है और बताया गया है कि 'गुंटूर कारम' 9 फरवरी,

2024 से स्ट्रीम हो जाएगी। महेश बाबू की फिल्म 'गुंटूर कारम' हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम भाषाओं में भी स्ट्रीम होगी। महेश बाबू की फिल्म 'गुंटूर कारम' 12 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसे त्रिविक्रम ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म में महेश बाबू के एक्शन अवतार को काफी पसंद किया गया।

'गुंटूर कारम' में महेश बाबू के अलावा श्रीलीला, रम्या कृष्णन, जयराम, प्रकाश राज और जगपति बाबू जैसे सितारों ने अहम भूमिका निभाई है। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन के मुताबिक, महेश बाबू की फिल्म 'गुंटूर कारम' ने पहले दिन वर्ल्वाइड बॉक्स ऑफिस पर 82.08 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था और अब तक ये फिल्म दुनियाभर में 200 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है।

वर्क फ्रंट की बात करें महेश बाबू अब मशहूर फिल्ममेकर एसएस राजामौली की फिल्म में नजर आएंगे। फिलहाल फिल्म का टाइटल 'एसएसएमबी29' रखा गया है। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू हो चुका है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक इन दिनों महेश बाबू जर्मनी में हैं और फिल्म के लिए स्पेशल ट्रेनिंग ले रहे है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के विभिन्न उपनगरों में बसे काँठा प्रांतीय युवाओं को उनकी खेल प्रतिभा को मजबूत मंच प्रदान करने, आपसी नेटवर्किंग बढ़ाने तथा एक सूत्र में पिरोने के उद्देश्य से पिछले 5 वर्षों से आयोजित हो रहे मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता का अगला तीन दिवसीय आयोजन 26 अप्रैल से होगा।

शिष्टाचार भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक हुब्बली-धारवाड़ प्रवासी सामाजिक कार्यकर्ता किशोर पटेल, तांबाराम चौधरी एवं देवारामजी शिक्षण संस्थान जोधपुर के सदस्य जेठाराम चौधरी ने राजस्थान सरकार के संसदीय कार्यमंत्री, कानून व न्याय मंत्री जोगाराम पटेल से उनके जोधपुर निवास पर शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की।

कुमावत समाज संगठन बिलाड़ा का स्नेह मिलन 1 मार्च को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिन्नी मिल रोड स्थित जांगिड़ भवन में कुमावत समाज संगठन बिलाड़ा के सदस्यों की बैठक आयोजित हुए जिसमें पेमाराम गोडला ने स्नेह मिलन आयोजित करने का प्रस्ताव रखा और सर्वसहमति से 1 मार्च को स्नेह मिलन आयोजित करना तय हुआ।

बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में राजस्थान प्रदेश संगठन मंत्री भाजपा डॉ महेंद्र कुमावत, कुमावत समाज से पेमाराम गोडला, कन्हैयालाल मालवीय, चिरंजीलाल सांगर ओमप्रकाश अडाणिया, पन्नालाल बोडावड, गजराज लारना, माणिकराम तिलायचा, ओमप्रकाश धमाणिया, मनोहर सांगर सहित बेंगलूरु, मैसूरु, मंड्या व आसपास के क्षेत्र के सदस्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ महेंद्र ने कहा कि समाज में युवा पीढ़ी को अच्छे संस्कार देना चाहिए और समाज में सभी को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए।

हनुमंतनगर में जैन गुरुकुल पाठशाला में हुए अभिभावक बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंत नगर के तत्वावधान में एवं नवयुवक मंडल के संयोजन में रविवार को जैन गुरुकुल धार्मिक पाठशाला का आयोजन जैन भवन में किया गया, जिसमें लगभग 100 से अधिक बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर जैन गुरुकुल पैरेंट्स टीचर्स मीटिंग का आयोजन किया गया। वंदना चौपड़ा, संजयकुमार कचोलिया, माला बोहरा ने पैरेंट्स टीचर्स मीटिंग को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी तथा अभिभावकों ने भी अपने सुझाव साझा किए। संगीता गोटावत, लीला नाहर, दीपिका मांडोत, मोनिका लोढ़ा ने अध्यापन व्यवस्था में सहयोग किया। नवयुवक मंडल अध्यक्ष शीतल रांका, मंत्री किशोर बाफना, विशाल बोहरा, लतेश लोढ़ा, अनिकेत कांकरिया, जितेश बाफना, जतिन बाफना, गौरव सुराना, ध्रुव सांखला, यश सोलंकी, नवीन धोका, रोनक गुलेच्छा, आनंद धोका, किरन गादिया, चेतन धारीवाल आदि युवाओं ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

विजय संभव फाउंडेशन ने की 'नो टू प्लास्टिक' अभियान की शुरुआत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के विजय संभव फाउंडेशन ने की 'नो टू प्लास्टिक' अभियान की शुरुआत की। यह पहल एशिया के सबसे ताक़तवर व्यक्ति के रूप में जाने पहचाने वाले मनोज चोपड़ा के साथ फाउंडेशन ने यह नई शुरुआत न्यू होराजिन गुरुकुल स्कूल के शिक्षक एवं विद्यार्थियों के साथ की। इस मौके पर मनोज चोपड़ा के प्रेरणादायक मार्गदर्शन के साथ उत्कृष्ट सफलता का सूत्र भी बताया। मनोज चोपड़ा के अपनी अनुपम ताकत का प्रदर्शन किया तथा प्लास्टिक-मुक्त भारत अभियान की प्रशंसा की। फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ रवि

राजहंस ने मनोज चोपड़ा के साथ मिलकर प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लड़ने की आवश्यकता को महत्वपूर्ण बताते हुए ईकोफ्रेंडली कॉटन बैग का वितरण किया। फाउंडेशन के निदेशक डॉ विजयकुमार रंजन और चिंतामणि रंजन ने गुरुकुल होरिजन स्कूल के शिक्षकों का सम्मान किया। इस मौके पर नीतीश नाथ, जितेंद्र कुमार, भुवेश गुप्ता, रींकू रमन आदि अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सुमतिनाथ जैन मंदिर सह दादावाड़ी के प्राण प्रतिष्ठा हेतु संतों का प्रवेश आज

10 को होगा दीक्षा कल्याणक व वरघोड़ा व 11 को होगी प्राण प्रतिष्ठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में सुमतिनाथ जिनालय सह दादावाड़ी, गुरु मंदिर अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव व भागवती दीक्षा महोत्सव सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। सोमवार को प्रतिष्ठा निश्रादाता खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीजी आदि साधु साध्वियां तथा सान्निध्यता प्रदानकरने आ रहे आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी व विमलसागरसूरीश्वरजी आदि साधु साध्वियां का मंगल प्रवेश सुबह 7.15 बजे मंदिर में होगा। मंदिर प्रवेश के बाद बापूजी विद्यार्थी निलया में बने कृत्रिम कौशल्यानगरी में मंगल प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि सोमवार से प्रारंभ होने वाले इस प्रतिष्ठा महोत्सव में 8 से 10 फरवरी तक पंचकल्याणक स्टेज कार्यक्रम होंगे। भव्य दीक्षा कल्याणक एवं वरघोड़ा 10 फरवरी को तथा प्रतिष्ठा महोत्सव 11 फरवरी को आयोजित है। इस प्रतिष्ठा को लेकर मागड़ी रोड जैन संघ सहित अन्य जैन संघों में उत्साह का माहौल व्याप्त है।

अक्षय तृतीया पारणे कार्यक्रम के लिए संतश्री नरेशमुनि ने दी स्वीकृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष अशोककुमार रांका, महामंत्री महावीरचंद मेहता, मंत्री प्रवीण नेतानी व पदमचंद रातड़िया ने चित्रदुर्गा में विराजित उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी, मुनिश्री शालिभद्रजी, उपप्रवर्तिनी डॉ दर्शनप्रभाजी व डॉ समृद्धिश्रीजी के दर्शन किए। सदस्यों ने गुरुदेव के समक्ष 10 मई को अक्षय तृतीया के वर्षीतप के पारने करवाने हेतु व वर्ष 2024 के चातुर्मास श्री गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना भवन में करवाने का निवेदन संतों के चरणों में रखा।

संतश्री नरेशमुनिजी ने अक्षय तृतीया के पारने बेंगलूरु में करने की स्वीकृति प्रदान की।

सीधापन व सादा व्यवहार मुक्ति में साधक है : आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मानव का मूल स्वभाव सीधापन और पर गुण दर्शन का है, किंतु बाहय प्रभाव से अथवा स्वार्थ के वशीभूत, स्वभाव में टेडापन और परदोष दर्शन आ जाता है। प्रत्येक प्राणी का स्वभाव अनुरूप आचरण होता है, किन्तु मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो मूल स्वभाव सीधेपन को छोडकर, गुण दर्शन को छोडकर और पर प्रशंसा को छोड़कर टेढेपन की क्रिया करता है।

अपनापन त्याग कर टेढेपन की क्रिया से ही मानव जाति में भटकाव आता है। स्वार्थवश-द्वेषवश और ईर्ष्यावश आया हुआ टेढापन मुक्ति में बाधक है पर सीधापन मुक्ति में साधक है।

डीएमके चुनाव घोषणापत्र समिति सोमवार से तमिलनाडु का दौरा करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डीएमके चुनाव घोषणापत्र समिति सोमवार से 23 फरवरी तक तमिलनाडु का दौरा करेगी। यह यात्रा 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी के घोषणापत्र को अंतिम रूप देने से पहले आम जनता के विचार जानने के लिए है। द्रमुक (डीएमके) अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को एक बयान में कहा कि घोषणापत्र समिति राज्य के सभी वर्गों के लोगों से मिलेगी। इसमें शिक्षाविद, मछुआरे, कृषक, छोटे उद्यमी, प्रवासी श्रमिक, उद्योगपति, छात्र, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील और जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग शामिल होंगे। 11 सदस्यीय समिति सोमवार को थूथुकुडी का दौरा करेगी। समिति 5 फरवरी को तूतीकोरिन और 6 फरवरी को कन्याकुमारी का दौरा करेगी। समिति के इन शहरों में पहुंचने से पहले, उनके अभियान का स्थानीय समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया जाएगा और संबंधित जिला सचिव लोगों के लिए याचिकाएं जमा करने के लिए स्थल की व्यवस्था करेंगे।

गौरतलब है कि डीएमके ने तमिलनाडु की सभी 39 सीटें और पुडुचेरी की एकमात्र सीट जीतने के लिए अपने कार्यकर्ताओं पर दबाव डाला है। 2019 के लोकसभा चुनावों में, डीएमके के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) ने 39 में से 38 सीटें जीतीं थी। वह एकमात्र सीट थेनी में हारी जहां वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री ईवीकेएस एलंगोवन अन्नाद्रमुक के ओ.पी. रवींद्रनाथन से हार गए।

'मोतीलाल मुणोत कप' क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 26 अप्रैल से

काँठा परिषद द्वारा आयोजित होगा केपीपीएल सीजन-6

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विभिन्न उपनगरों में बसे काँठा प्रांतीय युवाओं को उनकी खेल प्रतिभा को मज़बूत मंच प्रदान करने, आपसी नेटवर्किंग बढ़ाने तथा एक सूत्र में पिरोने के उद्धेश्य से पिछले 5 वर्षों से आयोजित हो रहे मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता का अगला तीन दिवसीय आयोजन 26 अप्रैल से होगा। काँठाप्रांत युवक परिषद ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस केपीपीएल सीज़न 6 में काँठाप्रांत की 10 टीमें भाग लेगी। प्रतियोगिता के सीज़न-6 के अनावरण के अवसर पर मुख्य प्रायोजक महेंद्र मुणोत ने कहा कि खेल से न केवल शारीरिक व मानसिक शक्ति में मजबूती आती है साथ ही युवाओं में सामाजिक व व्यक्तिगत जुड़ाव के दूरगामी परिणाम भी मिलते है।

केपीपीएल के संयोजक विजय गुगलिया के अनुसार प्रतियोगिता के लीग मैच बीईएल ग्राउंड में तथा क्वार्टरसेमी व फाइनल मैच ओकलीपुरम स्थित रेल्वे ग्राउंड में खेले जायेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता ललित गांधी के फूड, राजेंद्र कोटरिया के नीलामी, विनोद चाणोदिया के जर्सी, शांतिलाल सुराणा के पारितोषिक, उत्तमचंद भलगट के गिफ्ट, वसंतराज पितलिया के पैवेलियन, अमरचंद डागा के हिट-ए-सिक्स व हंसमुख लुणिया के ड्रिंक प्रायोजन में आयोजित की जा रही है। सह संयोजक अमित कोठारी के अनुसार प्रतियोगिता में सुरेंद्र गुन्देचा की अरिहंत एवेंजर्स, प्रकाश प्रसन्न भलगट की एवरग्रीन टाइटन्स, राजेश विमल गांधी की फ्रेंड्स इलेवन, चंपालाल रमेश गांधी की गांधी ग्लेडियटर्स, सोहनलाल विकास गुगलिया की गुगलिया सिल्वर किंग्स, जयंतीलाल महावीर गुगलिया की होरीजोन स्ट्राईकर्स, ताराचंद कमल सेहलोत की पीजे चेलेंजर्स, बाबूलाल सुधीर कोठारी की रॉयल कोठारिस, धर्मीचंद कमल डंक की श्री स्ट्राईकर्स व जानवी महावीर गांधी की वर्धमान ड्रीम्स इलेवन टीम इस मोतीलाल मुणोत कप के लिए मुकाबला करेगी। काँठा परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी व सचिव सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि जरूरतमंदों की डायलेसिस सेवा, जीवदया व मानवसेवा के कार्यों में रत परिषद द्वारा आयोजित इस क्रिकेट प्रतियोगिता के पिछले 5 सीज़न से काँठा समाज के युवाओं में बढ़ी नजदीकियों के सुखद परिणाम प्राप्त हो रहे हो रहे है।

सुराणा प्रीमियर लीग 'माइक्रो कप' के लिए खिलाडियों का हुआ ऑक्शन

3 मार्च को होगा फाइनल मैच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर में बसे सुराणा गौत्र की युवा शक्ति में आपसी मेलमिलाप के ध्येय तथा प्रतिबद्धता व क्रिकेट के साथ एक सूत्रता में पिरोने के उद्देश्य से सुराणा प्रीमियर लीग माइक्रो कप 2024 का आगाज आगामी 3 मार्च को होगा। सुराणा संघ के तत्वावधान में आयोजित होने जा रहे इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा ले रही है। माइक्रो कप 2024 के मुख्य प्रायोजक माइक्रो लैब्स के दिलीप-आनंद सुराणा परिवार है। इस प्रतियोगिता में राणावास पर्पल वॉरियर्स, गुड़ा एंदला मां पद्मावती चैलेंजर्स, बगड़ीनगर कॉकोनट, ईडवा शीतल कैचर्स, सोजत सुराणा स्मैशर्स, सोजत राज डायमंड टाइटंस टीमें हिस्सा ले रही है।

संघ के महामंत्री भीमराज सुराणा ने बताया कि टीम के खिलाडियों की नीलामी का कार्यक्रम रविवार को लालबाग रोड स्थित गोड़वाड़ भवन में आयोजित किया गया। नीलामी कार्यक्रम के प्रायोजक सुराणा ज्वेल्स वाले थे। कार्यक्रम का प्रारंभ में संघ के अध्यक्ष महीपाल सुराणा के स्वागत किया। कार्यक्रम में तीन उपाध्यक्ष उत्तमचंद सुराणा, डालमचंद सुराणा, अशोक सुराणा, कोषाध्यक्ष नरेंद्र एस सुराणा, सहमंत्री राजेश सुराणा, कार्यकारिणी सदस्य अरविंद सुराणा, सोहनलाल सुराणा, मोहित सुराणा सहित सुराणा यूथ के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सुराणा यूथ के धीरज एवं प्रदीप ने बताया कि लीग एवं फाइनल 3 मार्च को माइक्रो लैब्स कुडलू ग्राउंड्स में खेले जाएंगे। कार्यक्रम की व्यवस्था में विकास, हर्ष, शषांक, आयुष, गौतम, देव, दीप, दीपक सुराणा आदि का सहयोग रहा।

बाल संस्कार शिविर में बच्चों ने सीखी धर्म, संस्कार व ज्ञानवर्धक बातें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के सीरवी सेवा संघ लिंगराजपुरम के तत्वावधान में रविवार को होरामाऊ में आयोजित बाल संस्कार शिविर में बच्चों को खेलों और शारीरिक गतिविधियों के साथ ही धर्म, संस्कार व ज्ञानवर्धक बातों के साथ ही गीता का ज्ञान भी दिया गया। सह सचिव जुगराज चोयल ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में पंडित नेमीचंद महाराज ने बच्चों को श्रीमद भगवद्गीता के विविध प्रसंग सुनाए और उनसे मिलने वाली सीख को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने बच्चों को श्री आईमाता द्वारा पांच सौ वर्ष पूर्व स्थापित आईपंथ के बारे में महत्वपूण जानकारी भी दी। शिविर के संयोजक अमरचंद सानपुरा ने बच्चों को अपने बड़ों का आदर करने और जीवन में अच्छी शिक्षा के साथ ही साथ अच्छे संस्कारों के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर वालाराम गेहलोत, लादुराम राठौड़, नारायणलाल सेपटा आदि उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com